E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 122 | प्रयागराज, सोमवार 24 अगस्त, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

80 साल बाद पहली बार महिला बन सकती यूएन चीफ,रेस में अभी 8 दावेदार, इनमें 5 महिलाएं

कोस्टा रिका। यूएन के 80 साल के इतिहास में पहली बार कोई महिला महासचिव बन सकती है। फिलहाल इस रेस में कुल 8 दावेदार हैं। इनमें 5 महिलाएं हैं।शुक्रवार को हुई दूसरे दौर की अनौपचारिक वोटिंग में गुयाना की कैरोलिन रोड्रिग्स बिर्कीट सबसे आगे रहीं। वहीं कोस्टा रिका की रेबेका ग्रिन्सपैन दूसरे नंबर पर रहीं। संयुक्त राष्ट्र के मौजूदा महासचिव एंतोनियो गुटेरेस का दूसरा पांच साल का कार्यकाल 31 दिसंबर 2026 को खत्म होगा। इसलिए अगले महासचिव को चुनने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यूएन महासचिव का चुनाव कैसे होता है? संयुक्त राष्ट्र का महासचिव सीधे जनता या सभी देशों की वोटिंग से नहीं चुना जाता। पहले सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) उम्मीदवारों के नामों पर विचार करती है। सुरक्षा परिषद में उम्मीदवारों को लेकर कई दौर की अनौपचारिक और सीक्रेट वोटिंग होती है। इसमें 15 सदस्य देश बताते हैं

कि वे उम्मीदवार के साथ हैं, उसके खिलाफ हैं या उनकी कोई राय नहीं है। यह अंतिम या औपचारिक चुनाव नहीं होता। इसका मकसद यह देखना होता है कि कौन उम्मीदवार कितना मजबूत है। अगर किसी उम्मीदवार को कम समर्थन मिलता है, तो वह अपनी दावेदारी वापस भी ले सकता है। महासचिव बनने के लिए यूएनएससी के स्थायी सदस्यों का साथ जरूरी-सुरक्षा परिषद में कुल 15 देश होते हैं। इनमें अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस स्थायी सदस्य हैं। इन पांचों के पास वीटो पावर है। किसी उम्मीदवार को सुरक्षा परिषद से आगे बढ़ने के लिए कम से कम 9 वोट चाहिए। लेकिन सिर्फ 9 वोट मिल जाना काफी नहीं है। पांच स्थायी सदस्यों में से किसी एक का विरोध भी उम्मीदवार की राह रोक सकता है।इसलिए उम्मीदवार को बाकी देशों का समर्थन जुटाने के साथ यह भी देखना होता है कि पांचों स्थायी देशों में से कोई उसके खिलाफ न हो। जब बातचीत और वोटिंग के बाद किसी एक उम्मीदवार के नाम पर पर्याप्त सहमति बन जाती है, तो सुरक्षा परिषद औपचारिक बैठक में उस नाम की सिफारिश करती है।इसके बाद उम्मीदवार का नाम संयुक्त राष्ट्र महासभा के पास जाता है। महासभा में संयुक्त राष्ट्र के सभी 193 सदस्य देश होते हैं। महासभा सुरक्षा परिषद की सिफारिश के आधार पर नए महासचिव की नियुक्ति करती है। कई बार यह मंजूरी बिना औपचारिक वोटिंग के सर्वसम्मति से भी हो जाती है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

पाक ने पत्रकार को आतंकी लिस्ट में डाला, पीओके प्रदर्शन कवर करने वाले दानिश इरशाद पर बिना मुकदमे कार्रवाई,सारे दस्तावेज़ सीज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने पीओके में हो रहे प्रदर्शनों की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकार और रिसर्चर दानिश इरशाद का नाम आतंकवाद से जुड़ी निगरानी सूची यानी फोर्थ शेड्यूल में डाल दिया है। खास बात यह है कि सरकार ने उनके खिलाफ न तो किसी आतंकी गतिविधि का आरोप बताया है और न ही किसी अदालत का फैसला सामने आया है। दानिश इरशाद पिछले करीब 10 साल से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके और गिलगित-बाल्टिस्तान की राजनीति और वहां के हालात पर रिपोर्टिंग कर रहे हैं। हाल के महीनों में उन्होंने पीओके में सुरक्षा बलों की कार्रवाई से प्रभावित लोगों और उनके परिवारों की लगातार रिपोर्टिंग की थी। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर दानिश इरशाद ने ऐसा क्या किया, जिसके आधार पर उनका नाम फोर्थ शेड्यूल में डाला गया? उपलब्ध सरकारी आदेश में इसका कोई साफ जवाब नहीं मिलता। 10 साल से पत्रकारिता कर रहे दानिश इरशाद-दानिश इरशाद रावलपिंडी के रहने वाले

हैं। उन्होंने 2015 में इस्लामाबाद से पत्रकारिता शुरू की थी। वे लाहौर स्थित नियो न्यूज के साथ काम करते हैं और जम्मू से प्रकाशित कश्मीर टाइम्स में कॉलम भी लिखते हैं। वे 1947 के बाद जम्मू-कश्मीर के इतिहास पर एक किताब भी लिख चुके हैं। कश्मीर टाइम्स के मुताबिक, पीओके के 24 वॉन्टेड लोगों की सूची में इरशाद का नाम 12वें नंबर पर है। इसी आदेश में जेएएसी से जुड़े कार्यकर्ताओं का भी जिक्र है। पाकिस्तान सरकार ने जून में जेएएसी पर प्रतिबंध लगा दिया था। इरशाद के मुताबिक, उन्हें न तो किसी मामले में अदालत में पेश किया गया और न ही किसी अपराध में दोषी ठहराया गया। सरकार ने भी उन्हें सीधे यह नहीं बताया कि उनका नाम सूची में क्यों डाला गया। उन्हें 18 अगस्त को सोशल मीडिया के जरिए इस कार्रवाई का पता चला। इसके बाद उन्होंने पीओके के गृह विभाग के एक सूत्र से इसकी पुष्टि की। फोर्थ शेड्यूल क्या है? पाकिस्तान में फोर्थ शेड्यूल आतंकवाद से जुड़ी निगरानी सूची है। इसमें उन लोगों को रखा जा सकता है, जिन्हें सरकार आतंकवाद या प्रतिबंधित संगठनों से जुड़ा मानती है।

इस सूची में नाम आने के बाद उस व्यक्ति पर कई तरह की पाबंदियां लग सकती हैं। यानी वह आसानी से विदेश नहीं जा सकता, उसके बैंक खाते या पैसों से जुड़े कामों में दिक्कत आ सकती है और उस पर सरकारी निगरानी भी बढ़ सकती है। इसलिए किसी पत्रकार का नाम इस सूची में आना काफी गंभीर कार्रवाई मानी जाती है। पीओके में क्या चल रहा है?**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

रक्षा-समझौते की आड़ में हथियारों का जखीरा भर रहा पाक,तुर्किये से ड्रोन की सप्लाई, 60 घंटे में दर्जनों सैन्य विमान पहुंचे

इस्लामाबाद। सऊदी अरब और तुर्किये से हुए रक्षा समझौते की आड़ में पाकिस्तान हथियारों

का जखीरा बढ़ा रहा है। 19 से 21 अगस्त के बीच करीब 60 घंटे में तुर्किये के दर्जनों सैन्य विमानों ने पाकिस्तान के अलग-अलग एयरबेस पर लैंडिंग और टेकऑफ किया। इनमें सी-130 सैन्य परिवहन विमान और ए-400-एम जंबो मिलिट्री विमान शामिल थे। रावलपिंडी के नूरखान और कराची के मसरूर एयरबेस पर तुर्किये के सी-130 सैन्य विमानों की लगातार आवाजाही रही। ए-400-एम विमान मुरीद एयरबेस पर पहुंचा। इसकी पहचान कॉल-साइन टीयूएएफ 526 से हुई। इन विमानों से तुर्किये ने पाकिस्तान को ड्रोन की बड़ी खेप पहुंचाई। ड्रोन की सप्लाई रात के अंधेरे में की गई, ताकि सैटेलाइट ट्रैकिंग से गतिविधियों को छिपाया जा सके। तुर्किये से पहुंची ड्रोन की खेप को बहावलपुर और रावलपिंडी की मिलिट्री स्टोरेज फैसिलिटीज में रखा गया है। पाकिस्तान को तुर्किये से मिले एआई-गाइडेड हथियार-पाकिस्तान को तुर्किये से आधुनिक ड्रोन, मिसाइल और दूसरे रक्षा उपकरण मिले हैं। इनमें एआई-गाइडेड केमांके क्रूज मिसाइल, बायरक्तार टीबी2 और अकिंसी ड्रोन शामिल हैं।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

ईरान बोला- होर्मुज तभी खुलेगा जब अमेरिका अपना रवैया सुधारेगा,उसने बातचीत में धोखा दिया

ट्रम्प ने एक बार फिर होर्मुज को अमेरिकी इलाका बताया

तेहरान। ईरान ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट तभी खोला जाएगा, जब अमेरिका अपना रवैया सुधारेगा और किए गए वादे पूरे करेगा। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के चीफ मोहसिन रेजाई ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने बातचीत में धोखा दिया है। रेजाई ने कहा कि अमेरिका पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करे, उसके बाद ही होर्मुज खोलने पर बात होगी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान अमेरिकी आर्थिक दबाव के आगे नहीं झुकेगा। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फिर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को 'न्यू यूएस टेरिटरी' यानी नया अमेरिकी इलाका बताया गया है। ट्रम्प इससे पहले 18 अगस्त को भी होर्मुज को अमेरिकी क्षेत्र घोषित करने की बात कह चुके हैं। ईरान ने ट्रम्प के इस दावे को खारिज किया है। रेजाई बोले- ट्रम्प के हमले से परमाणु हथियारों की होड़ बढ़ सकती है-रेजाई ने कहा कि ट्रम्प के ईरान पर हमले से दुनिया में परमाणु हथियारों को लेकर डर और बढ़ गया है। उनका कहना है कि अब दूसरे देशों को भी लग सकता है कि बिना परमाणु हथियार के वे सुरक्षित नहीं हैं। रेजाई ने कहा कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का सदस्य है और अंतरराष्ट्रीय नियमों के मुताबिक अपने परमाणु कार्यक्रम की जांच

भी कराता रहा है। इसके बावजूद अमेरिका ने उस पर हमला किया। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया के दूसरे देशों में परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा बढ़ सकती है। रेजाई के मुताबिक, अमेरिका की कार्रवाई ने परमाणु सुरक्षा मजबूत करने के बजाय उल्टा खतरा बढ़ा दिया है। होर्मुज स्ट्रेट पर किसका अधिकार है? होर्मुज स्ट्रेट का उत्तरी हिस्सा ईरान के पास है, जबकि दक्षिणी हिस्सा ओमान के मुसंदम क्षेत्र से लगता है। फारस की खाड़ी से निकलने वाले जहाज इसी रास्ते से अरब सागर और फिर हिंद महासागर की ओर जाते हैं। इसी वजह से होर्मुज स्ट्रेट सिर्फ एक देश का नहीं, बल्कि कई देशों के लिए अहम समुद्री मार्ग है। अमेरिका यहां अपने युद्धपोत और नौसैनिक बल तैनात रखता है ताकि समुद्री व्यापार और अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके। खाड़ी देशों से दुनिया को भेजे जाने वाले करीब 20ः कच्चे तेल और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट से होती है। फरवरी में अमेरिका-ईरान जंग शुरू होने से पहले हर दिन करीब 2 करोड़ बैरल तेल इस रास्ते से होकर गुजरता था। भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की एनर्जी सप्लाई काफी हद तक इसी रास्ते पर निर्भर है। ईरानी राष्ट्रपति बोले- युद्ध नहीं बातचीत से समाधान चाहते हैं-ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि ईरान युद्ध नहीं चाहता। वह बातचीत के जरिए समस्या का हल निकालना चाहता है। पजशकियान ने कहा कि ईरान किसी के दबाव में नहीं आएगा, लेकिन ताकत और समझदारी से बातचीत कर समाधान निकाला जा सकता है।

ट्रम्प ने कनाडा पर 50फीसदी टैरिफ लगाया,तीन दिन की बातचीत बेनतीजा, पीएम कार्नी बोले- यूएस ने आखिरी समय शर्तें बदली

वॉशिंगटन डीसी/ ओटावा। अमेरिका और कनाडा के बीच 3 दिन तक चली ट्रेड डील की

बातचीत नाकाम रही। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार आधी रात से कनाडा के 20 अरब डॉलर (करीब 1.9 लाख करोड़ रुपए) के सामान पर 50फीसदी टैरिफ लागू कर दिया। यह टैरिफ कनाडा के अमेरिका भेजे जाने वाले कुल सामान का करीब 5फीसदी है। अमेरिका और कनाडा के अधिकारियों ने वॉशिंगटन डीसी में तीन दिन की बातचीत की थी, लेकिन व्यापार समझौता फाइनल नहीं हो सका। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि अमेरिका जितना टैरिफ लगाएगा, कनाडा भी उतना ही जवाब देगा। मार्क कार्नी प्रधानमंत्री, कनाडा- 'पिछले कुछ हफ्तों में बातचीत में अच्छी प्रगति हुई थी, लेकिन वह कनाडा के हितों को पूरा करने के लिए काफी नहीं थी। आखिरी समय में अमेरिका ने डील की शर्तें बदल दीं। इससे किसी भी समझौते पर भरोसा करना मुश्किल हो गया।' अमेरिका बोला- अच्छा ऑफर दिया था, उन्होंने मौका गंवाया- दोनो देशों के बीच ट्रेड डील नहीं हो पाने के बाद अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि कनाडा ने अमेरिका के साथ पार्टनशिप का बहुत अच्छा मौका गंवा दिया है। यूएसटीआर के मुताबिक, उन्होंने कनाडा को किसी भी बड़े एक्सपोर्टर के मुकाबले सबसे अच्छा ऑफर दिया था।

लेकिन कनाडा की नई मांगों और पहले किए गए वादों से पीछे हटने की वजह से यह डील नहीं हो पाई। यूएसटीआर ने आगे कहा कि अगर यह डील होती तो इससे एयरोस्पेस में सप्लाई चेन कोऑर्डिनेशन, गलत ट्रेड प्रैक्टिस से निपटने के लिए जरूरी कदम, खनिजों पर सहयोग, और यूएस -मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट (यूएसएमसीए) बातचीत की घोषणा जैसे नतीजे सामने आते।

अमेरिका ने कनाडा पर इतना ज्यादा टैरिफ क्यों लगाया? अमेरिका का कहना है कि कनाडा की कुछ व्यापार नीतियां अमेरिकी कंपनियों के लिए नुकसानदेह हैं। दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर लंबे समय से विवाद चल रहा है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

ओडिशा के पास चीनी क्रू वाला जहाज डूबा,24 लोग सवार थे. इंडियन कोस्ट गार्ड-नेवी ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया

पारादीप। ओडिशा के पारादीप तट से करीब 240 समुद्री मील दूर बंगाल की खाड़ी में शनिवार को हादसे की जानकारी मिलते ही इंडियन कोस्ट गार्ड और इंडियन नेवी ने क्रू सदस्यों की तलाश और

'एमवी ओसियन विनर' नाम का एक मालवाहक जहाज डूब गया। पनामा के झंडे वाले इस जहाज पर 24 क्रू सदस्य सवार थे। दो को बचा लिया गया है, बाकी की तलाश जारी है। पीटीआई के मुताबिक, क्रू में 20 चीन के, 3 म्यांमार और एक बांग्लादेश से हैं। जहाज ओडिशा से लौह अयस्क लेकर सिंगापुर जा रहा था। यह शुक्रवार को ओडिशा तट से रवाना हुआ था। जहाज के डूबने की वजह अभी पता नहीं चल पाई है। इंडियन कोस्ट गार्ड और नेवी का रेस्क्यू ऑपरेशन-बचाव अभियान शुरू कर दिया। आसपास मौजूद दूसरे जहाजों को भी अलर्ट किया गया है और रेस्क्यू में मदद करने को कहा गया है।हादसे के समय बंगाल की खाड़ी में मौसम भी पूरी तरह सामान्य नहीं था। मौसम विभाग ने उत्तर बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना जताई थी। इससे समुद्र में मौसम खराब हो सकता है।हालांकि, जहाज इसी वजह से डूबा, इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है।

अमेरिका में भारतीय मूल के बिजनेसमैन की हत्या, 19 साल की बेटी के सामने लुटेरे ने पिता को गोली मारी

वॉशिंगटन। अमेरिका में भारतीय मूल के कारोबारी सुरेश पटेल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना 20 अगस्त को टेनेसी राज्य के जैक्सनविले

शहर में हुई। फायरिंग के समय सुरेश पटेल की 19 साल की बेटी भी दुकान में मौजूद थी। उसने अपनी आंखों के सामने यह वारदात देखी। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, एक नकाबपोश बदमाश पैसे लूटने के इरादे से दुकान में घुसा था। कैश लेने के बाद उसने सुरेश पटेल पर फायरिंग कर दी। गोलीबारी के दौरान दुकान का एक कर्मचारी भी घायल हुआ था। सुरेश पटेल गुजरात के मेहसाणा जिले के आखज गांव के रहने वाले थे। वे लगभग 30 साल से अमेरिका में रह रहे थे। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, सुरेश पटेल ने घटना से सिर्फ 3 दिन पहले ही यह दुकान खरीदी थी। गोलीबारी के बाद मौके से फरार हो गया आरोपी-वहां मौजूद लोगों के मुताबिक, एक नकाबपोश व्यक्ति दुकान में घुसा और कर्मचारियों से कैश की मांग की। पैसे मिलने के बाद उसने कई राउंड फायरिंग की। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने ग्रे रंग की हुडी, जींस और काले बूट पहन रखे थे। उसके चेहरे पर मास्क था। वारदात के बाद वह सफेद रंग की कार में बैठकर फरार हो गया। आरोपी की तलाश कर रही पुलिस- पुलिस को इस घटना से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज मिला है। पुलिस ने लोगों से आरोपी के बारे में जानकारी देने की अपील भी की है। भारतीय मूल के लोगों पर हुए हमले के चर्चित केस-मई 2025 - टेनेसी में परेश प्रिंस पटेल की गैस स्टेशन पर लूट के दौरान गोली मारकर हत्या। सितंबर 2025 - साउथ कैरोलिना में किरण पटेल की लूट के दौरान हत्या। मई 2026 - वर्जीनिया में मेघना पटेल की दुकान के अंदर गोली मारकर हत्या। अमेरिका में भारतीयों पर बढ़ते हमले चिंताजनक-भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा संसद में पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय नागरिकों पर सबसे ज्यादा हमले और हिंसा के मामले अमेरिका में दर्ज किए गए हैं। अमेरिका में भारतीयों पर हुए जानलेवा हमलों और हिंसक घटनाओं की संख्या साल 2024 में 11 दर्ज की गई थी। साल 2025 में यह बढ़कर 14 हो गई। इस तरह किसी भी देश में भारतीय नागरिकों पर हुए हमलों का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है।

कनाडाई पीएम बोले- अमेरिका और हमारे बीच जंग के हालात,ट्रम्प के टैरिफ को हमला बताया, यूएस पर जवाबी टैरिफ लगाने का ऐलान किया

कनाडा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका के साथ बढ़ते ट्रेड विवाद को लेकर कहा है कि 'हम जंग में हैं, क्योंकि हम पर हमला हुआ है।' उन्होंने अमेरिकी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ को कनाडा पर हमला बताया। कार्नी ने कहा कि अमेरिका ने ट्रेड बातचीत के आखिरी दौर में ऐसी शर्तें रखीं, जिन्हें कनाडा स्वीकार नहीं कर सकता। अब कनाडा दूसरे देशों से व्यापार बढ़ाएगा। अमेरिका पर निर्भरता कम करेगा। कनाडा दबाव में ऐसी डील मंजूर नहीं करेगा, जो उसके हितों और संप्रभुता को नुकसान पहुंचाए। अमेरिका ने कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर के सामान पर 50फीसदी टैरिफ लगाया है। इस पर कनाडा ने भी अमेरिकी सामान पर जवाब टैरिफ लगाने का ऐलान किया है, जो 8 सितंबर से लागू होगा। मार्क कार्नी-प्रधानमंत्री, कनाडाः- 'पिछले कुछ हफ्तों में बातचीत अच्छी प्रगति हुई थी, लेकिन वह कनाडा के हितों को पूरा करने के लिए काफी नहीं थी। आखिरी समय में अमेरिका ने डील की शर्तें बदल दीं। इससे किसी भी समझौते पर भरोसा करना मुश्किल हो गया।' दोनों देशों के बीच 3 दिन चली बातचीत बेनतीजा रही-अमेरिका और कनाडा के बीच 3 दिन तक चली ट्रेड डील की बातचीत नाकाम रही। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार आधी रात से कनाडा के 20 अरब डॉलर (करीब 1.9 लाख करोड़ रुपए) के सामान पर 50फीसदी टैरिफ लागू कर दिया। यह टैरिफ कनाडा के अमेरिका भेजे जाने वाले कुल सामान का करीब 5फीसदी है। अमेरिका और कनाडा के अधिकारियों ने वॉशिंगटन डीसी में तीन दिन की बातचीत की थी, लेकिन व्यापार समझौता फाइनल नहीं हो सका। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि अमेरिका जितना टैरिफ लगाएगा, कनाडा भी उतना ही जवाब देगा। अमेरिका बोला- अच्छा ऑफर दिया था, उन्होंने मौका गंवाया-दोनो देशों के बीच ट्रेड डील नहीं हो पाने के बाद अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि कनाडा ने अमेरिका के साथ पार्टनशिप का बहुत अच्छा मौका गंवा दिया है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

प्रयागराज शहरवासियों को मेट्रो की तर्ज पर डबल डेकर बस का उपहार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी

प्रयागराज में डबल डेकर बस में सफर करने का रोमांच मिलेगा। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपी रोडवेज) ने इस हाईटेक बस का सफल ट्रायल पूरा कर लिया है। शुरुआती चरण में बस का संचालन सिविल लाइंस से अलोपी बाग के बीच किया जाएगा। यह वातानुकूलित (एसी) डबल डेकर बस आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें कुल 65 सीटें बनाई गई हैं। यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए बस के भीतर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, साथ ही महिलाओं की सुरक्षा के लिए पैनिक बटन की सुविधा भी दी गई है। रोडवेज प्रशासन ने इसका न्यूनतम किराया 20 रुपये और अधिकतम किराया 30 रुपये तय किया है, जो आम जनता के बजट में पूरी तरह फिट बैठता है।

फिलहाल मुख्यालय से केवल एक ही बस मिली है।

क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र कुमार सिंह के अनुसार जल्द ही इसे नियमित रूट पर उतार दिया जाएगा।

अब्बास बोले- मैं मुख्तार अंसारी का बेटा हूं,आखिरी दम तक साथ दूंगा, जो आया है, वह जाएगा भी

गाजीपुर। उन्होंने कहा- मैं अब्बास अंसारी आपसे वादा करता हूं- हुनर, ताकत और किरदार में लोगों को कम नहीं मिलूंगा। कलेजे में वही ताकत है। जहां भी आपको जरूरत

पड़ेगी, अपने खून की आखिरी बूंद तक आपके मान-सम्मान की रक्षा करूंगा। गाजीपुर में माफिया मुख्तार के विधायक बेटे अब्बास अंसारी ने कहा-'मेरी रगों में वही लहू है, जरूरत पड़ी तो आखिरी बूंद तक साथ दूंगा। मैं मुख्तार अंसारी का बेटा हूं। मेरी रगों में जो भी लहू है, वो आपकी अमानत है। जब जहां भी जरूरत है, वसूल कर लेना। ये वादा है मेरा आपसे। लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि आज मेरे पिता हमारे बीच नहीं हैं। इसलिए कोई ताकत जुल्म करके निकल जाएगी। मेरे पिता को जानने वाले लोग आज भी मौजूद हैं। मैंने उनके संघर्ष और बहादुरी के किस्से सुने हैं।' अब्बास अंसारी ने शुक्रवार शाम 5 बजे कारगिल शहीद रामदुलार यादव की 27वीं पुण्यतिथि पर बोल रहे थे। इसका वीडियो शनिवार को सामने आया। इस दौरान उन्होंने अपने परिवार, राजनीतिक परिस्थितियों और आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भी कई बड़ी बातें कहीं। अब्बास की कही 5 बड़ी बातें:- 1- दुनिया से जाने वाला अपने पीछे किस्से छोड़ जाता है-अपने पिता का जिक्र करते हुए अब्बास ने कहा- परिस्थितियों ने ऐसी करवट ली कि आज मेरे पिता हमारे बीच नहीं हैं। दुनिया में जो भी व्यक्ति आया है, उसे एक दिन जाना ही है। वेद-पुराण से लेकर कुरान तक में जीवन और मृत्यु का उल्लेख है। लेकिन, दुनिया से जाने वाला व्यक्ति अपने पीछे काम और बहादुरी के किस्से छोड़ जाता है। 2- धर्म के नाम पर अलग करने की राजनीति नहीं होनी चाहिए-आज धर्म और भगवान के नाम पर लोगों को बांटने की कोशिश की जा रही है। लोगों को धर्म के नाम पर अलग करने की राजनीति नहीं होनी चाहिए। 2024 के लोकसभा चुनाव में जिस भगवान का आशीर्वाद उन्हें चुनाव में मिला, वही भगवान सत्ता में बैठे लोगों को नीचे भी ला सकता है। राममंदिर की चंदा चोरी भी भगवान ने उजागर की है। प्रकृति का नियम है कि जब कोई व्यक्ति या ताकत अपने चरम पर पहुंचती है, फिर उसका नीचे आना तय होता है। 3- शहीद का सम्मान नहीं करने वालों को कुर्सी पर नहीं रहने देंगे-जो लोग शहीद का सम्मान करना नहीं जानते, उन्हें सत्ता में बने रहने का अधिकार नहीं होना चाहिए। नौजवानों की पीठ पर लाठी चलाने और उनकी छाती पर लात रखने वालों को उत्तर प्रदेश की जनता माफ नहीं करेगी। आने वाले चुनाव में लोगों को सोच-समझकर फैसला करना चाहिए और किसी भी जाति, धर्म या क्षेत्र के नाम पर अपने वोट को बंटने नहीं देना चाहिए। 4- चुनाव के समय मिलने वाले लालच में मत आइए-अब्बास ने कहा- चुनाव के समय लोगों को अलग-अलग तरह के फायदे और लालच देने की कोशिश की जाती है। कुछ लोगों को कर्ज दिलाने, गाड़ी में तेल भरवाने या अन्य मदद का भरोसा देकर आपस में लड़ाने की कोशिश की जाती है। जनता को इस तरह की राजनीति को समझना होगा। किसी के बहकावे में आकर आपस में नहीं लड़ना चाहिए। लोगों को अब यह समझना होगा कि कौन उनके हित में है और कौन सिर्फ चुनाव के समय उनके बीच आता है। जनता को असली और नकली चेहरे की पहचान करनी होगी। जिस तरह देश के जवान सीमा की रक्षा करते हैं, उसी तरह लोगों को अपनी जमीन और अपनी मिट्टी की रक्षा के लिए भी सजग रहना होगा। 5- सरकार उद्योगपतियों और पूंजीपतियों के हित में फैसले ले रही-अब्बास ने सरकार की आर्थिक नीतियों पर भी निशाना साधा। कहा- उद्योगपतियों और पूंजीपतियों के हित में फैसले लिए जा रहे हैं। अगर लोग संगठित नहीं रहे, तो उन्हें पता भी नहीं चलेगा कि उनके गांव की जमीन किसके नाम चली गई। गांव की बंजर जमीन पर बड़े प्रोजेक्ट या गोदाम बनाए जा सकते हैं। इसलिए लोगों को इन सभी मुद्दों को समझना होगा और अपनी जमीन तथा अधिकारों को लेकर जागरूक रहना होगा। भोजपुरी में भी दिया एकजुटता का संदेश- अब्बास अंसारी ने अपने भाषण के दौरान भोजपुरी में भी लोगों से बात की। उन्होंने कहा कि अब ज्यादा समय नहीं बचा है। आने वाले कुछ महीनों में चुनावी माहौल तेज हो जाएगा। चुनाव के समय अलग-अलग मुद्दों और पहचानों के नाम पर लोगों को बांटने की कोशिश होगी। कोई जाति के नाम पर, कोई धर्म के नाम पर और कोई पंथ के नाम पर लोगों को अपने पक्ष में करने की कोशिश करेगा। उन्होंने लोगों से ऐसी कोशिशों से सावधान रहने की अपील की।

यूपी में नदियां उफनाईं, थाने स्कूलों में घुसा पानी,प्रयागराज में सड़कों पर अंतिम-संस्कार, बाराबंकी में नावें चल रहीं

लखनऊ। यूपी में लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। 19 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 92 गांवों में फसलें जलमग्न हो गई हैं। 26 गांव टापू में तब्दील हो चुके हैं। इन्हें दूसरे गांवों से जोड़ने वाली सड़कें डूब चुकी हैं। प्रयागराज, गोरखपुर, मेरठ, बहराइच समेत 10 शहरों में मूसलाधार बारिश हुई। शाहजहांपुर में सुबह घना कोहरा देखा गया, जिससे विजिबिलिटी घटकर 50 मीटर से कम रह

प्रभावित इलाकों में नावों और मोटर बोट के जरिए राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। झांसी में बेतवा नदी पर बना बांध सीजन में पहली बार ओवरफ्लो हो गया है। 140 साल पुराने पारीछा बांध के गेट भी खोल दिए गए हैं। बाराबंकी में सरयू नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। संतकबीर नगर के 20 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। 9 सरकारी स्कूलों के परिसरों में पानी घुस चुका है। प्रयागराज में गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। दारागंज घाट की सीढ़ियां जलमग्न होने के कारण सड़कों पर अंतिम संस्कार कराने की नौबत आ गई है। कानपुर के निचले इलाकों की बस्तियों में पांडु नदी का पानी घुसने से करीब 2 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। वाराणसी के अस्सी घाट पर 'सुबह-ए-बनारस' का मंच पानी में डूब चुका है। इधर, रविवार को पश्चिमी और मध्य यूपी में भारी बारिश की संभावना खत्म हो जाएगी। पूर्वी यूपी में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा।' झांसी में लगातार हो रही बारिश की वजह बेतवा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इस नदी पर बना सुकुवां-दुकुवां बांध इस सीजन में पहली बार ओवरफ्लो हो गया है। साथ ही पारीछा बांध के गेट भी खोले गए। दोनों बांधों से शनिवार को 3802 क्यूसेक पानी बेतवा नदी में छोड़ा गया। इसके अलावा पहाड़ी बांध से 8580 और लहचूरा बांध से 17 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। मंडल के 27 बांधों में 16 अब 50 फीसदी से अधिक भर चुके हैं।

जलस्तर बढ़ने से ललितपुर के राजघाट बांध 88.07 और माताटीला बांध 63.46 प्रतिशत भर गया है। प्रयागराज के ग्रामीण इलाकों में रविवार दोपहर अचानक मौसम बदल गया। झमाझम बारिश हो रही है। सुबह से बादल छाए थे। फिर अचानक बारिश शुरू हो गई। मौसम विभाग के अनुसार दो दिनों तक मौसम इसी तरह बना रह सकता है।

बालिका गृह में दो बच्चियों ने सहेली को डुबोकर मारा,मथुरा में रो-रोकर भ्रमित करती रहीं, पकड़ाईं तो बोलीं- घर जाने के लिए ये सब किया

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में राजकीय बालिका गृह में लड़कियों ने 14 साल की सहेली को बाथरूम में डुबोकर मार डाला। पुलिस के मुताबिक, दोनों बालिका गृह से बाहर निकलना चाहती थीं। उन्हें लगा कि किसी की मौत होने पर बालिका गृह

बंद हो सकता है और सभी लड़कियों को घर भेज दिया जाएगा।वारदात के बाद पुलिस पहुंची तो आरोपी लड़कियां रोने का नाटक करने लगीं। हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने दूसरी लड़कियों को भी अपने साथ कर लिया। मृत किशोरी को न्याय दिलाने के नाम पर नारेबाजी की। सीसीटीवी कैमरों को तोड़ने की भी कोशिश की। पुलिस ने किसी तरह स्थिति संभाली। शनिवार को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई। इसमें पानी में डूबने से किशोरी की मौत की पुष्टि हुई। पुलिस ने सीसीटीवी खंगाले तो पता चला कि बाथरूम में तीन किशोरियां गई थीं, लेकिन 45 मिनट बाद दो ही बाहर निकलीं। शक के आधार पर पुलिस ने दोनों से पूछताछ की। दोनों ने वारदात कबूल कर ली। राजकीय बालिका गृह चैतन्य विहार इलाके में है। यहां 140 लड़कियां रहती हैं। दोनों आरोपी किशोरियों की उम्र 15-15 साल है। एक पीलीभीत और दूसरी अलीगढ़ की रहने वाली है। बालिका गृह की अधीक्षिका प्रगति खरे ने एफआईआर दर्ज कराई है। इसमें दोनों आरोपी किशोरियों के अलावा साजिश में शामिल तीन किशोरियों को भी आरोपी बनाया गया है। लड़कियां बोलीं- संरक्षण गृह में मन नहीं लग रहा था, इसलिए संरक्षण गृह बंद हो सकता है। यहां रहने वाली लड़कियों को घर भेज दिया जाएगा। इसके बाद हम दोनों ने हत्या की साजिश रची। शुक्रवार सुबह 11 बजे जैसे ही सहेली बाथरूम में गई, पीछे-पीछे हम भी चले गए। उसका सिर पानी से भरी बाल्टी में डुबो दिया। वह तड़पने लगी। जैसे ही उसके शरीर में हरकत बंद हुई, हम उसे फर्श पर छोड़कर बाहर निकल आए। दोपहर साढ़े 3 बजे दूसरी लड़की बाथरूम में पहुंची तो वारदात का पता चला। इसके बाद बालिका गृह के अधिकारियों ने पुलिस को सूचना दी। शुरुआत में पुलिस को यह नेचुरल डेथ (प्राकृतिक मौत) का मामला लगा। क्योंकि, बॉडी पूरी तरह से सूखी हुई थी। शरीर पर चोट के निशान भी नहीं थे। फिर पुलिस ने प्रोटोकॉल के तहत शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया और पूछताछ शुरू की। इस दौरान लड़कियों ने हंगामा कर दिया। उन्होंने कहा- यहां की व्यवस्था ठीक नहीं है। बालिका गृह रहने लायक नहीं है। हमारी सहेली को न्याय नहीं मिला तो हम प्रदर्शन करेंगे। एसएसपी बोले- सीसीटीवी दिखाकर पूछताछ की तो लड़कियों ने वारदात कबूली- शनिवार दोपहर में जिला अस्पताल में किशोरी का पोस्टमॉर्टम हुआ। शाम को उसके बगल में ही बाथरूम था। कॉरिडोर में लगे सीसीटीवी में तीनों लड़कियां बाथरूम में जाती दिखीं, लेकिन बाहर सिर्फ दो आईं। सीसीटीवी दिखाकर उनसे पूछताछ की गई तो उन्होंने वारदात कबूल कर ली। बॉयफ्रेंड के साथ घर से भाग गई थीं, तब से बालिका गृह में रह रही थीं- पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी लड़कियां करीब डेढ़ महीने से बालिका गृह में रह रही थीं। दोनों अपने बॉयफ्रेंड के साथ घर से भाग गई थीं। पुलिस ने दोनों को बरामद किया। जब परिवार को सुपुर्द करने की बात आई तो परिजन ने उन्हें अपने साथ रखने से मना कर दिया। इसके बाद दोनों को बालिका गृह भेजा गया। इनमें से एक पर अपने घर में चोरी करने का भी आरोप है। बालिका गृह प्रशासन बोला- पढ़ाई में अच्छी थी किशोरी- राजकीय बालिका गृह प्रशासन के मुताबिक, मृतक लड़की के जन्म के कुछ समय बाद ही उसके पिता की मौत हो गई थी। मां मानसिक रूप से बीमार थी। बाद में उसकी भी मौत हो गई और लड़की को राजकीय बालिका संरक्षण गृह लाया गया। वह पढ़ाई में अच्छी थी। अच्छे व्यवहार की वजह से संरक्षण गृह प्रशासन ने उसे स्कूल भेजने की अनुमति दी थी। वह संदीपनी मुनि स्कूल में पढ़ रही थी।

सांसद इमरान मसूद की बेटी से मारपीट, घर से बाहर किया,सहारनपुर में भतीजा बोला- शायान ने बहन से ज्यादती की

सहारनपुर। सहारनपुर में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के दामाद शायान मसूद के समाजवादी पार्टी जॉइन करने के बाद पारिवारिक विवाद खुलकर सामने आ गया है। शनिवार को इमरान के भतीजे हमजा नोमान से बहुत कुछ सहन किया। बहन और उसके एक साल के बच्चे की अब हमारी जिम्मेदारी है। शायान ने बच्चे के लिए डायपर तक का पैसा नहीं दिया। हमारा परिवार बहन और उसके बच्चे की जिम्मेदारी खुद उठाएगा। मेरी

मसूद ने फेसबुक लाइव किया। इसमें उन्होंने अपने बहनोई शायान मसूद और उनके पिता शादान मसूद पर बहन से मारपीट कर घर से निकालने का आरोप लगाया। हमजा ने कहा- परिवार पिछले करीब 5 साल से कई बातें चुपचाप सहन कर रहा था। लेकिन, बहन के साथ ज्यादती और परिवार को परेशान किए जाने के बाद अब चुप रहना संभव नहीं है। मेरे बहनोई ने बहन के साथ ज्यादती की हद कर दी है। अब मैं चुप नहीं रहूंगा। हमजा नोमान मसूद की कही 5 बड़ी बातें- 1. बहन से मारपीट और गाली-गलौजः बहनोई शायान मसूद और उसके परिवार ने मेरी बहन (सुबिया मसूद) के साथ मारपीट और गाली-गलौज की। उसे घर से निकाल दिया। हमारे परिवार ने रिश्तेदारी, इज्जत के लिए चुप्पी साधे रखी। मेरे पास कई रिकॉर्डिंग मौजूद हैं। घर के अंदर की बातचीत की भी रिकॉर्डिंग है। अगर विवाद इसी तरह बढ़ता रहा, तो इन रिकॉर्डिंग और वीडियो को सार्वजनिक कर दूंगा। 2. राजनीति और टिकट के लिए बहन की जिंदगी खराब कीः मेरी बहन को राजनीतिक कारणों से परेशान किया गया। करीब 5 साल तक बहन की जिंदगी खराब होती रही, लेकिन परिवार ने रिश्तेदारी और सम्मान की वजह बहन को किसी के पैसे या सहारे की जरूरत नहीं है। 3. दुश्मन हाल पूछ रहा, अपने ही खिलाफ हो गएः मेरे पिता की तबीयत खराब होने पर राजनीतिक विरोधी खेमे के लोगों ने भी फोन कर हालचाल पूछा। लेकिन, अपने ही रिश्तेदार इस मुश्किल समय में परिवार के खिलाफ राजनीतिक गतिविधियों में लगे हैं। चौधरी परिवार और फजुर रहमान समेत कई लोगों ने पिता की तबीयत को लेकर फोन किया। जब राजनीतिक विरोधी भी बीमारी के समय परिवार का हाल पूछ सकते हैं, तो अपने लोग इस समय परिवार के खिलाफ क्यों खड़े हैं? 4. इमरान मसूद और मुझे रास्ते से हटाने की बातें हुईः हमजा ने दावा किया कि मेरे पास ऐसी बातचीत और रिकॉर्डिंग मौजूद हैं, जिनमें चाचा इमरान मसूद और मुझे रास्ते से हटाने जैसी बातें की गईं। मैं अब तक इन रिकॉर्डिंग को सार्वजनिक नहीं करना चाहता था। लेकिन, लगातार हो रही बयानबाजी के कारण सार्वजनिक रूप से अपनी बात रखनी पड़ी। 5. हमने सब्र किया, जनता फैसला करेगीः मेरे पिता अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं, दूसरी तरफ मेरी बहन और भांजा परेशान हैं। इसके बावजूद हमने सब्र का दामन थामा हुआ है। इंसाफ अल्लाह करेगा और अब फैसला जनता के हाथ में है। मेरी बहन अकेली नहीं है। शायान बोले- राजनीतिक लड़ाई है तो मैदान में आकर लड़ो- शायान ने हमजा को राजनीतिक मुकाबले की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अगर राजनीतिक लड़ाई लड़नी है तो मैदान में आकर लड़ो। घर की बातें सार्वजनिक कर विवाद को आगे नहीं बढ़ाना चाहिए। मेरे भाई के पास मेरी राजनीतिक बातों का जवाब नहीं है, इसलिए वह व्यक्तिगत आरोप लगा रहे हैं। अगर घर के अंदर बैठकर बात होगी तो मैं उनकी एक-एक बात का जवाब दूंगा। छह महीने पहले उनके घर में क्या चर्चाएं हो रही थीं और क्या चल रहा था, मैं उन बातों में नहीं जाना चाहता। मेरे पास भी बहुत कुछ कहने को है, लेकिन मेरा स्तर इतना नहीं है कि परिवार की निजी बातें सार्वजनिक करूं। शायान के सपा में जाने के बाद बढ़ी राजनीतिक हलचल-इमरान मसूद के दामाद शायान मसूद का 20 अगस्त (गुरुवार) को कांग्रेस छोड़कर सपा में शामिल हो गए थे। उन्हें सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने लखनऊ में पार्टी में शामिल कराया था। सपा में शामिल होने के बाद शायान ने इमरान मसूद की राजनीतिक लाइन पर सवाल उठाए थे। शायान ने कहा था कि वह इमरान मसूद की विचारधारा से सहमत नहीं हैं। अगर भाजपा को हराना है, तो भाजपा के खिलाफ बोलना होगा। लेकिन, इमरान मसूद लगातार अखिलेश यादव के खिलाफ बोल रहे हैं। अखिलेश यादव के खिलाफ बोलने से भाजपा को फायदा पहुंचता है। इसी वजह से मैंने इमरान मसूद का साथ छोड़कर अखिलेश यादव का हाथ थामा है। राजनीतिक मतभेद से पारिवारिक विवाद तक पहुंचा मामला-मसूद परिवार में हालिया घटनाक्रम के बाद विवाद अब केवल राजनीतिक मतभेद तक सीमित नजर नहीं आ रहा है। एक ओर शायान मसूद ने कांग्रेस छोड़कर सपा का दामन थामा और इमरान मसूद की राजनीतिक रणनीति पर सवाल उठाए हैं। दूसरी ओर, हमजा नोमान ने फेसबुक लाइव के जरिए परिवार के भीतर विवाद, बहन के साथ ज्यादती और राजनीतिक साजिश के गंभीर आरोप सार्वजनिक किए हैं।

संभल में जेई का शव मिला, विद्युत विभाग के ट्रांसमिशन पद पर तैनाती थी

संभल। संभल में बिजली विभाग के जेई का शव किराए के कमरे में मिला। रविवार सुबह जेई के दरवाजा न खोलने पर मकान मालिक ने आवाज दी।

कमरे के अंदर से कोई आवाज नहीं आने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने कमरा खुलवाया तो जेई जमीन पर पड़े मिले। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मैनपुरी निवासी रामवरेश यादव (52) के रूप में हुई है। वह पिछले पांच साल से संभल में तैनात थे। वर्तमान में वह असलम पुत्र फारूक के मकान में किराए पर रह रहे थे। घटना हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र की है। संभल में हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र के सिरसी कस्बे में रविवार सुबह विद्युत विभाग के ट्रांसमिशन जेई का शव उनके किराए के मकान में मिला। मकान मालिक को कमरे में असामान्य शांति महसूस होने पर शक हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरा खुलवाया तो जेई जमीन पर पड़े मिले। उन्हें तत्काल जिला संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना रविवार सुबह करीब 7 बजे नगर पंचायत सिरसी के मोहल्ला सादक सराय की है। मृतक की पहचान मैनपुरी निवासी रामवरेश यादव (52) पुत्र राम सिंह के रूप में हुई है। वह असलम पुत्र फारूक के मकान में किराए पर रह रहे थे।परिजनों के अनुसार, रामवरेश यादव ने शनिवार शाम करीब 7 बजे पत्नी उर्मिला देवी और छोटे बेटे लवलेश यादव से फोन पर बात की थी। परिवार में तीन बेटियां और दो बेटे हैं। तीनों बेटियों और बड़े बेटे रवि यादव की शादी हो चुकी है। छोटा बेटा लवलेश 13 वर्ष का है। परिजनों ने बताया कि रामवरेश अपने छोटे बेटे को लेकर कुछ चिंतित रहते थे। उन्हें किसी बीमारी की जानकारी नहीं थी। परिजनों के मुताबिक, वह शराब का सेवन करते थे। परिवार को मकान मालिक ने फोन कर बताया कि रामवरेश कमरे में बेहोशी की हालत में पड़े हैं। परिजन जिला अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।रामवरेश यादव पिछले करीब पांच वर्षों से संभल जनपद में तैनात थे। करीब एक माह पहले ही उनकी तैनाती 220 केवी बिजलीघर सिरसी में हुई थी। इससे पहले वह चंदौसी क्षेत्र के पुरा बिजलीघर पर तैनात थे। थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि डायल 112 पुलिस को घटना की सूचना मिली थी, जिसके बाद थाने को जानकारी दी गई। जेई रामवरेश यादव को जिला संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों से संपर्क कर घटना की जानकारी दे दी है। उनके आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल शव को जिला संयुक्त चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया गया है। विद्युत विभाग के एक्सईएन रघुनाथ तित्तल ने बताया कि रामवरेश यादव की पोस्टिंग करीब एक माह पहले ही हुई थी। वह ट्रांसमिशन विभाग में जेई के पद पर कार्यरत थे। उनकी आकस्मिक मृत्यु से विभाग में शोक है। पूरा विभाग उनके परिवार के साथ खड़ा है।

प्रयागराज में बारिश के बाद सड़कें लबालब,बरसात में डामर बहा व गिट्टी उखड़ी, हर तरफ कीचड़-फिसलन

प्रयागराजों बारिश के बाद शहर में जलभराव तो कम हुआ, लेकिन सड़कों की बदहाल स्थिति ठीक नहीं हुई। कई प्रमुख

मार्गों पर डामर बह जाने से बड़े-बड़े गड्ढे उभर आए हैं और गिट्टियां बिखर गई हैं। इससे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। सड़क पर बने गहरे गड्ढों और कीचड़ के कारण स्थानीय लोगों का आवागमन दूभर हो गया है। प्रमुख इलाकों में सड़कें हुईं खस्ताहाल-?बालसन व सुंदरम टावर चौराहाः बालसन चौराहा और रामबाग के सुंदरम टावर के पास सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। ?बाई का बाग व केपी इंटर कॉलेजः बाई का बाग से क्रॉसथवेट गर्ल्स कॉलेज चौराहे तक सड़क उखड़ गई है। वहीं, केपी इंटर कॉलेज, कोठापार्चा और बहादुरगंज जाने वाली सड़कों पर भारी गड्ढे और गिट्टियां फैली हैं। ?तेलियरगंज व म्योराबादः तेलियरगंज से महाराणा प्रताप चौराहे के बीच सड़क टूट गई है। म्योराबाद के पास कलश चौराहे पर बनी नई सड़क बारिश में खराब हो चुकी है। अन्य प्रभावित मार्गः जीटी रोड (सैनिक कॉलोनी व नेहरू पार्क मोड़), बैरहना से नैनी रोड, चुंगी चौराहा, राजरूपपुर, नंदी चौराहा से करेली मार्ग, दरियाबाद, पन्नालाल रोड, दारागंज और मेडिकल कॉलेज आरओबी के पास गड्ढों से आवागमन बाधित हो रहा है।

सीनियर मैनेजर विद्युत यांत्रिकी से मिलकर पॉकेट 7 की समस्याओं से कराया अवगत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शनिवार को ईडब्ल्यूएस

पॉकेट 7 सेक्टर 82 की समस्याओं को लेकर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने खण्ड प्रथम विद्युत यांत्रिकी के सीनियर मैनेजर संदीप भरता से सेक्टर 39 स्थित कार्यालय में मुलाकात की । इस अवसर पर सीनियर मैनेजर को समस्याओं से संबंधित पत्र सौंपा। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि पत्र में स्ट्रीट लाईट के गले हुए पोलों को बदलने , पॉकेट 7 के मैन गेट एवं अन्य पार्कों के सौंदर्यीकरण के लिए लाईट के डेकोरेटिव पोल्स लगाने , बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट्स को ठीक कराने की मांग रखी। जो लाईट खराब हो जाती हैं उसके ठीक होकर आने में बहुत समय लगता है इस प्रक्रिया के सुधार की भी मांग की ।

राघवेंद्र दुबे ने मैन गेट के दोनों ओर स्ट्रीट लाइट्स लगाने के लिए धन्यवाद भी ज्ञापित किया। सीनियर मैनेजर ने सभी कार्यों को शीघ्र कराने का आश्वासन दिया।

बैंक देय बकायेदार की भूमि की नीलामी 16 सितम्बर को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को 16 सितम्बर 2026 को समय प्रातः 10:00 बजे तहसील

उपजिलाधिकारी सदर रायबरेली गौतम सिंह ने सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बैंक देय की बकायेदार गणेश सिंह पुत्र छत्रपाल सिंह निवासी कल्यानपुर रैली परगना व तहसील सदर जिला रायबरेली की भूमि की सार्वजनिक नीलामी परिसर स्थित नायब तहसीलदार पश्चिमी/नीलाम अधिकारी कक्ष में प्रस्तावित है। इच्छुक बोलीदाता निर्धारित तिथि व समय, स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में प्रतिभाग कर सकते है। नीलामी सम्बन्धी शर्तें संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं।

प्रशासनिक कारणों से 24 अगस्त को बंदी मुलाकात रहेगी बंद, 23 अगस्त को होगी मुलाकात

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अधीक्षक, जिला कारागार रायबरेली प्रभात सिंह ने बताया कि कारागार में होने वाली बंदी मुलाकात आवश्यक प्रशासनिक कारणों से 24 अगस्त 2026, सोमवार को बंद रहेगी। उन्होंने बताया कि 24 अगस्त की बंदी मुलाकात के स्थान पर 23 अगस्त 2026, रविवार को बंदियों से मुलाकात कराई जाएगी।

एयू के प्रोफेसर पर डंडे-ईंट से हमला,प्रयागराज में पैतृक मकान में हिस्से को लेकर विवाद में घटना, 6 पर एफआईआर

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद लाल के साथ मारपीट की गई। उनकी तहरीर पर कर्नलगंज पुलिस ने ललिता देवी, उनके बेटे सिद्धांत समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रोफेसर ने आरोप लगाया है कि आरोपितों ने उन्हें चप्पल और डंडे से पीटा, ईंट लेकर दौड़ाया और ईंट से हमला भी किया। यह विवाद कर्नलगंज में पैतृक मकान के हिस्से को लेकर हुआ है। घटना का वीडियो भी पुलिस को उपलब्ध कराया गया है। डॉ. दिनेश चंद लाल के मुताबिक उनके पिता पंचलाल और मां तारा देवी के नाम से कर्नलगंज और कटरा क्षेत्र में चार पैतृक मकान हैं। परिवार के सदस्य इन मकानों में लंबे समय से अपने-अपने हिस्से का इस्तेमाल करते रहे हैं। आरोप है कि इन मकानों पर ललिता देवी ने कब्जा कर रखा है और वहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए हॉस्टल संचालित किया जा रहा है। धार्मिक कार्यक्रम के लिए पहुंचे थे घर-प्रोफेसर ने पुलिस को बताया कि परिवार में उनकी बहन पूनम की मृत्यु के बाद धार्मिक क्रिया-कर्म के सिलसिले में वह अपनी भाभी मंजूरानी और बहनों के साथ पैतृक मकान पहुंचे थे। जिस कमरे का उनके पिता के समय से परिवार के लोग इस्तेमाल करते आ रहे थे, उस पर ललिता देवी ने कथित तौर पर ताला लगा दिया था। कमरे का ताला खोलने के लिए कहने पर विवाद शुरू हो गया।

नोएडा में मानवता की मिसाल- लोकमंच और फेलिक्स हॉस्पिटल की पहल को मिला डॉ.महिपाल सिंह का साथ, जरूरतमंदों को मिलेंगी मुफ्त दवाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शहर में स्वास्थ्य सेवा को लेकर एक अच्छी खबर सामने आई है। नोएडा लोकमंच और फेलिक्स हॉस्पिटल ने मिलकर जरूरतमंदों को निशुल्क स्वास्थ्य परामर्श देने की मुहिम शुरू की है। इस नेक पहल को अब समाजसेवी डॉ. महिपाल सिंह का भी भरपूर समर्थन मिला है।जानकारी के मुताबिक, डॉ. महिपाल सिंह ने इस अभियान के लिए दवाइयों से भरे कई बॉक्स उपलब्ध कराए हैं, ताकि कोई भी गरीब और जरूरतमंद इलाज और दवा के अभाव में परेशान न हो। सेवा का मौका मिलना ही सौभाग्यः डॉ. महिपाल-अपने सहयोग पर डॉ. महिपाल सिंह ने कहा, 'सेवा का अवसर मिलना ही जीवन की सबसे बड़ी बात है। समाज ने मुझे जो दिया है, उसे लौटाने का यह छोटा सा प्रयास है। मैं आगे भी इस तरह के हर सामाजिक कार्य में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहूंगा।' पहल से हजारों को मिलेगा लाभ-आयोजकों का कहना है कि नोएडा लोकमंच और फेलिक्स हॉस्पिटल की यह संयुक्त पहल अब डॉ. महिपाल सिंह के सहयोग के बाद और भी बड़े स्तर पर लोगों तक पहुंचेगी।

इससे सैकड़ों जरूरतमंद परिवारों को निशुल्क डॉक्टर परामर्श और दवाओं का लाभ मिल सकेगा। लोकमंच के पदाधिकारियों ने इस सहयोग के लिए डॉ. महिपाल सिंह का आभार जताया है और कहा है कि ऐसे सहयोग से ही समाज में बदलाव आता है।

जिलाधिकारी ने तीन दिवसीय प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने राना बेनी माधव बख्श सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में राना बेनी माधव बख्श सिंह स्मृति सभागार परिसर में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि 22 से 24 अगस्त 2026 तक आयोजित इस प्रदर्शनी के माध्यम से राना बेनी माधव बख्श सिंह के जीवन, वीरता एवं स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान के साथ-साथ जनपद के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों तथा प्रदेश सरकार की विभिन्न नीतियों, निर्णयों, उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनियां शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों के प्रचार-प्रसार का प्रभावी माध्यम हैं। इनके माध्यम से आमजन को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त होती है तथा पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा मिलती है। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने सूचना विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन निरंतर आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि शासन की उपलब्धियों एवं जनहितकारी योजनाओं की जानकारी आमजन से अधिक लोगों तक पहुंचाई जा सके। इस अवसर पर राघवेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख उमेश प्रताप सिंह, हरिहर सिंह, रविंद्र सिंह, राजेंद्र बहादुर सिंह, जितेंद्र सिंह, अभिषेक विक्रम सिंह, दिनेश प्रताप सिंह, डॉ अविनाश सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं सूचना विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

15 साल की गर्लफ्रेंड से मिलने प्रयागराज से पंजाब पहुंचा,बॉयफ्रेंड शादी का झांसा देकर भगा ले गया, परिवार बोला- बेटी से रेप किया

प्रयागराज। लुधियाना में रह रही 15 साल की गर्लफ्रेंड से मिलने उसका बॉयफ्रेंड करीब 1000 किलोमीटर दूर प्रयागराज से पहुंच गया। यहां उसने पहले लड़की को घर से बाहर बुलाया और फिर शादी का झांसा देकर अपने साथ भगा ले गया।परिवारवालों को जब बेटी के गायब होने का पता चला, तो उन्होंने तलाश शुरू की। करीब 2 हफ्ते तक कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिवारवालों ने पुलिस को बॉयफ्रेंड का मोबाइल नंबर दिया।पुलिस ने मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की, तो दोनों के फोकल पॉइंट इलाके में होने का पता चला। शनिवार सुबह परिवार वहां पहुंचा और लड़की को सड़क पर घूमते हुए पकड़ लिया। कुछ देर बाद बॉयफ्रेंड भी वहां पहुंच गया। परिवारवालों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।परिवारवालों का कहना है कि बॉयफ्रेंड ने बेटी से रेप किया है। पुलिस अब लड़की का मेडिकल टेस्ट करवाएगी, जिससे पता चल सके कि उसके साथ रेप हुआ या नहीं। यूपी से लुधियाना आकर गर्लफ्रेंड को भगाने की पूरी कहानी जानिए-प्रयागराज के एक ही गांव के रहने वाले हैं दोनोंः लड़की के भाई के मुताबिक, बॉयफ्रेंड भी प्रयागराज जिले के उसी गांव का रहने वाला है, जहां उनका परिवार रहता है। दोनों एक-दूसरे को बचपन से जानते हैं। करीब 2 साल पहले लड़की अपने माता-पिता के साथ लुधियाना आ गई थी। बाद में माता-पिता गांव लौट गए, जबकि वह यहां अपने भाई-भाभी के साथ रहने लगी। इसी दौरान लड़की की अपने बॉयफ्रेंड से फोन पर बातचीत शुरू हो गई। मोबाइल छिपाकर बॉयफ्रेंड से करती थी बातः भाई का कहना है कि लड़की के पास अपना मोबाइल नहीं था। गांव में माता-पिता से बात करने के लिए वह भाभी का फोन इस्तेमाल करती थी। बाद में हमें पता चला कि उसने एक छोटा मोबाइल छिपाकर रखा हुआ था। उसी से बॉयफ्रेंड को फोन करती थी। 24 जुलाई को हमने वह मोबाइल ढूंढ लिया और उसे तोड़कर फेंक दिया। इसके बाद बहन ने किसी दूसरे फोन से बॉयफ्रेंड को यह बात बताई। फोन छीना, तो प्रयागराज से लुधियाना पहुंचा बॉयफ्रेंडः भाई के अनुसार, मोबाइल छीने जाने का पता चलने के बाद बॉयफ्रेंड प्रयागराज से लुधियाना आ गया। दोनों की घर के बाहर मुलाकात हुई और यहीं से साथ भागने की योजना बनी। हम लोगों को इसकी भनक भी नहीं लगी। 7 अगस्त को घर में बहन और उसकी भाभी थीं। भाभी के सो जाने के बाद वह घर से निकल गई। इसके बाद हमने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन वह नहीं मिली। दोस्त से पंजाब में होने का पता चलाः लड़की के घर से जाने के बाद हमने गांव में भी उसके बारे में पता किया। इसी दौरान बॉयफ्रेंड के एक दोस्त से उसके बारे में पता चला। हमको बताया गया कि बॉयफ्रेंड पंजाब गया है। इसके बाद हमको शक हुआ कि वही बहन को अपने साथ ले गया है। तब हमने बॉयफ्रेंड का मोबाइल नंबर पुलिस को दिया। मोबाइल लोकेशन ने फोकल पॉइंट तक पहुंचायाः पुलिस ने मोबाइल नंबर की मदद से आरोपी की लोकेशन ट्रेस की, जो लुधियाना के फोकल पॉइंट के आसपास मिली। पुलिस ने हमको यह बात बताई। इसके बाद हम खुद फोकल पॉइंट पहुंचे और आसपास तलाश शुरू की। कुछ देर बाद बहन सड़क पर घूमती दिखाई दी। हमने उसे अपने साथ लिया। इसी दौरान बॉयफ्रेंड भी वहां पहुंच गया, जिसे हमने पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। पकड़े जाने पर बॉयफ्रेंड ने खुद को 15 साल का बताया: पुलिस के पहुंचने पर आरोपी को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने अपनी उम्र 15 साल बताई। पुलिस अब उसकी उम्र की पुष्टि करने में जुटी है। वहीं, लड़की ने परिजनों से कहा कि वह अपने माता-पिता के साथ रहना चाहती है। बॉयफ्रेंड के साथ नहीं जाना चाहती। 14 दिन साथ रही लड़की, परिवार ने रेप की आशंका जताई-लड़की के परिवारवालों का कहना है कि वह करीब 14 दिन तक बॉयफ्रेंड के साथ रही। इस दौरान उसके साथ रेप किया गया है। पुलिस अब लड़की का मेडिकल करवाएगी। मेडिकल रिपोर्ट और जांच के आधार पर ही यह साफ हो पाएगा कि उसके साथ रेप हुआ है या नहीं। जांच अधिकारी राज गोपाल के अनुसार, आरोपी को पकड़ लिया गया है।

इस्कॉन नोएडा में जन्माष्टमी महोत्सव की भव्य तैयारियां, 5 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर इस्कॉन नोएडा द्वारा इस वर्ष भव्य श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। मुख्य महोत्सव 4 सितंबर 2026, शुक्रवार को इस्कॉन नोएडा मंदिर में होगा। इस्कॉन नोएडा की आधिकारिक जानकारी के अनुसार भी जन्माष्टमी महोत्सव 4 सितंबर को आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव को व्यापक स्तर पर आयोजित करने के लिए नोएडा के मुख्य मंदिर के साथ सेक्टर-151 एक्सप्रेसवे, ग्रेटर नोएडा, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, दादरी और जेवर में भी विभिन्न धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 23 अगस्त को निकलेगी भव्य शोभायात्रा- जन्माष्टमी महोत्सव के उपलक्ष्य में 23 अगस्त को शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा शाम 3:30 बजे सेक्टर-18 स्थित गुरुद्वारे से शुरू होकर अट्टा मार्केट, सब मॉल, डीएम चौक, स्टेडियम, चौड़ा चौक और एडोब चौक होते हुए शाम 6:30 बजे इस्कॉन नोएडा मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा में विभिन्न भक्त समूहों द्वारा हरिनाम संकीर्तन किया जाएगा। श्री श्री कृष्ण-बलराम के सुसज्जित विग्रह यात्रा की अगुवाई करेंगे और मार्ग में प्रसाद वितरण किया जाएगा। मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं के लिए डिनर प्रसाद की व्यवस्था रहेगी। इसमें करीब 1,500 भक्तों के शामिल होने की उम्मीद है। 23 से 28 अगस्त तक झूलन यात्रा-इस्कॉन नोएडा में 23 से 28 अगस्त तक झूलन यात्रा का आयोजन होगा। इस दौरान भगवान श्री राधा-कृष्ण को विशेष रूप से सजाए गए पुष्प एवं सजावटी झूले पर विराजमान कराया जाएगा। प्रतिदिन करीब 2,000 श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इस्कॉन के कार्यक्रम कैलेंडर में भी 23 अगस्त से राधा-गोविंद झूलन यात्रा प्रारंभ होने की जानकारी दी गई है। 28 अगस्त को बलराम पूर्णिमा-28 अगस्त को भगवान श्री बलराम का जन्मोत्सव बलराम पूर्णिमा के रूप में मनाया जाएगा। सुबह 11 बजे से भजन, कीर्तन, विशेष अभिषेक, आध्यात्मिक प्रवचन और प्रसादम का आयोजन होगा। शाम को मटकी फोड़ उत्सव भी आकर्षण का केंद्र रहेगा। कार्यक्रम में लगभग 1,500 श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। जन्माष्टमी पर विशेष सजावट और 251 से अधिक व्यंजनों का भोग-4 सितंबर को जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सजाया जाएगा। भगवान श्रीकृष्ण का विशेष अभिषेक होगा और 251 से अधिक प्रकार के देशी-विदेशी व्यंजन भोग के रूप में अर्पित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए भगवान के दर्शन सुबह 4:30 बजे से रात 12 बजे तक खुले रहेंगे। पूरे दिन हरिनाम संकीर्तन और प्रसादम वितरण की व्यवस्था रहेगी। दिल्ली-एनसीआर के लिए 2026 में जन्माष्टमी की तिथि 4 सितंबर और मध्यरात्रि पूजा का समय लगभग 11:57 बजे से 12:43 बजे तक बताया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एडोब चौक, सेक्टर-25 के पास जनसामान्य पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी, जबकि विशेष निमंत्रण पत्रधारियों के लिए नोएडा हाट के पास पार्किंग की व्यवस्था प्रस्तावित है। आयोजकों के अनुसार इस वर्ष देश-विदेश से आने वाले भक्तों सहित करीब 5 लाख श्रद्धालुओं के महोत्सव में पहुंचने की उम्मीद है। भीड़ को देखते हुए सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के लिए नोएडा पुलिस के सहयोग के साथ हजारों भक्त सेवादारों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। वरिष्ठ नागरिकों और गर्भवती महिलाओं से अत्यधिक भीड़ से बचने तथा ऑनलाइन दर्शन करने की अपील की गई है। 5 सितंबर को श्रील प्रभुपाद आविर्भाव तिथि-जन्माष्टमी के अगले दिन 5 सितंबर को इस्कॉन के संस्थापकाचार्य श्रील ए.सी. भक्तिवेदान्त स्वामी प्रभुपाद का आविर्भाव तिथि महामहोत्सव मनाया जाएगा। सुबह 10 बजे से भजन, कीर्तन और प्रसादम का आयोजन होगा। कार्यक्रम में करीब 2,000 भक्तों के शामिल होने की संभावना है। 19 सितंबर को राधाष्टमी- इसके बाद 19 सितंबर को श्री राधाष्टमी का भव्य आयोजन किया जाएगा। दोपहर 12 बजे से भजन, कीर्तन और विशेष अभिषेक होगा। श्री श्री राधा-कृष्ण की युगल जोड़ी के लिए विशेष नई पोशाक तैयार की जा रही है। इस अवसर पर करीब 3,000 श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। इस्कॉन नोएडा ने नोएडा एवं आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं से इन सभी धार्मिक आयोजनों में सपरिवार शामिल होने का आह्वान किया है। मंदिर की ओर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 2026 के लिए श्रद्धालुओं को आधिकारिक रूप से आमंत्रित भी किया गया है।

गोरखपुर में रॉड से मारकर युवक की हत्या, घर की छत पर मिली थी खून से सनी लाश

गोरखपुर। गोरखपुर के खोराबार इलाके सिक्टौर में पासी

टोला में एक युवक की हत्या कर दी गई। शनिवार सुबह 35 वर्षीय युवक का खून से सना शव उसके घर की छत पर मिला। युवक के सिर में रॉड से गंभीर चोट के निशान मिले हैं। घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए हत्या की आशंका जताई जा रही है।मृतक की पहचान प्रदीप पासवान के रूप में हुई है। 5 साल पहले उसकी पत्नी छोड़कर चली गई, उसने दूसरी शादी कर ली थी। घर पर प्रदीप अकेले रहता था। सूचना मिलने पर खोराबार पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर पहुंचकर एसपी सिटी निमिष पाटील ने जांच पड़ताल की। पांच साल पहले पत्नी छोड़कर चली गई-प्रदीप पासवान मजदूरी करता था और बाहर रहकर कमाता था। करीब दो साल बाहर रहने के बाद वह लगभग डेढ़ माह पहले ही गांव लौटा था। माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। ग्रामीणों के मुताबिक प्रदीप की पत्नी संजूमा देवी करीब पांच साल पहले उसे छोड़कर दूसरी शादी कर चुकी हैं। प्रदीप के दो बच्चे हैं। बड़ा बेटा प्रयास करीब 10 वर्ष का है और दिल्ली में अपनी बुआ के साथ रहता हैं। बेटी करिश्मा करीब सात वर्ष की है और वह अपनी मां के साथ रहती है। घर में नहीं था कोई, आर्थिक स्थिति थी खराब-घटना के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था। ग्रामीणों के अनुसार प्रदीप की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह आसपास के लोगों के घर खाना खा लेता था। उसके घर में उसके पट्टीदार भूसा रखते थे। मृतक का बड़ा भाई संजय पासवान पत्नी और बच्चों के साथ दिल्ली में मजदूरी करता है। वह कभी-कभी गांव सिक्टौर आता था। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार के लोगों को सूचना दी गई। रॉड से हमला किए जाने की आशंका- ग्रामीणों के अनुसार प्रदीप के सिर पर रॉड जैसी किसी भारी वस्तु से हमला किया गया है। सिर खून से लथपथ था और गंभीर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों को सुरक्षित कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वास्तविक वजह और चोटों की स्थिति स्पष्ट होगी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही घटना से जुड़े हर पहलू की जांच कर रही है। मृतक के पक्के मकान के एक कमरे में भूसा रखा हुआ था।भूसा खून से सना मिला। उसके पास मृतक के कपड़े भी पड़े थे।

इससे आशंका जताई जा रही है कि युवक पर कमरे में ही हमला किया गया और बाद में शव को छत पर ले जाया गया। हालांकि, इसकी पुष्टि जांच औरपोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।

लखनऊ में सवर्ण सांसद-विधायकों की सांकेतिक अर्थी निकाली,सड़क पर उतरे 300 से ज्यादा लोग, बोले- हम संवैधानिक अछूत हैं

लखनऊ। लखनऊ में सवर्ण मोर्चा संगठन से जुड़े ब्राह्मण और ठाकुर समुदाय के लोगों ने रविवार को यूजीसी (यूजीसी) के नए नियमों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने की मांग की। प्रदर्शनकारी दोपहर 12 बजे 300 से अधिक कार्यकर्ता एकत्रित हुए। 'यूजीसी रोलबैक' के नारे लगाने लगे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में 'संवैधानिक अछूत' लिखी तख्तियां थीं। उनकी मांग थी कि सरकार यूजीसी के नियमों को पूरी तरह से खत्म करे। हालांकि, फिलहाल उन पर सुप्रीम कोर्ट ने मांग लगा रखी है। वीमेन पावर लाइन चौराहे पर आधे घंटे तक प्रदर्शन करने के बाद वे बैकुंठ धाम श्मशान घाट की ओर बढ़ने लगे। सड़क पर अचानक भीड़ उतरने से लंबा जाम लग गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सवर्ण सांसदों और विधायकों की सांकेतिक शव यात्रा निकाली। 'मुर्दा है भाई मुर्दा है, नेता हमारा मुर्दा है' के नारे लगाए। बैकुंठ धाम पहुंचकर प्रदर्शनकारी धरने पर बैठ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके हितों की अनदेखी की जा रही है। आने वाली पीढ़ियों के लिए भी अवसर बंद किए जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक यूजीसी का नया नियम पूरी तरह वापस नहीं लिया जाता और

कांवड़ियों की सेवा के लिए आगे आ रहे औद्योगिक समूह

ग्रीनको और झरिया अनंत ऊर्जा व जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कांवड़ियों के लिए कराया भंडारे का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पवित्र श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश भर में कांवड़ श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सेवा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इसी क्रम में सोनभद्र में औद्योगिक समूह भी कांवड़ यात्रियों की सेवा के लिए आगे आ रहे हैं। ग्रीनको यू.पी.-01 आईआरईपी प्रा. लि. और झरिया अनंत ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड की ओर से कांवड़ यात्रियों के लिए भंडारा एवं जलपान शिविर का आयोजन किया गया।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के दिशा-निर्देशन में जिला प्रशासन की ओर से कांवड़ यात्रियों के लिए यात्रा मार्गों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल और अन्य व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशासन की ओर से औद्योगिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों को भी श्रद्धालुओं की सेवा में सहयोग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कैथी में 24 अगस्त तक चलेगा भंडारा- पवित्र श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के अवसर पर ग्रीनको की ओर से 22 अगस्त से कैथी में विशाल भंडारे की शुरुआत की गई। यह भंडारा 24 अगस्त तक चलेगा। यहां

कांवड़ श्रद्धालुओं को भोजन एवं जलपान उपलब्ध कराया जा रहा

है। आयोजकों के अनुसार इस पहल का उद्देश्य कांवड़ यात्रियों को यात्रा के दौरान भोजन एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी यात्रा को सुगम बनाना है। औद्योगिक समूह की इस पहल से सेवा, सहयोग और सामाजिक सहभागिता की भावना को भी बढ़ावा मिल रहा है। बड़ी संख्या में कांवड़ यात्री भंडारे का लाभ उठा रहे हैं। धनरौल डैम पर भी लगाया गया सेवा शिविर- इससे पहले झरिया अनंत ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 21 एवं 22 को तार घर, सिंचाई विभाग, धनरौल डैम में कांवड़ यात्रियों की सेवा एवं सुविधा के लिए भंडारा एवं जलपान शिविर का आयोजन किया गया। वहीं जेएसडब्ल्यू एनर्जी पीएसपी सिक्स लिमिटेड ने भी शनिवार को कैथी राबर्ट्सगंज (धर्मशाला घोरावल रोड) पर विशाल भंडारे का आयोजन किया। जहां पर बड़ी संख्या में कांवड़ यात्रियों ने भोजन, जलपान सहित उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। यात्रा मार्गों पर साफ-सफाई, पेयजल, चिकित्सा सुविधा, शौचालय, यातायात प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही प्रशासन को लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन की व्यवस्थाओं के साथ औद्योगिक समूहों की सामाजिक सहभागिता कांवड़ यात्रियों के लिए सहूलियत बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इससे श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ ही प्रशासन, उद्योग और समाज के बीच सहयोग की भावना भी मजबूत हो रही है।

कक्षाओं तक पहुंच रही प्रशासन की निगरानी, शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यालयी व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत पर सीधी नजर

अधिकारियों द्वारा विद्यालयों का नियमित स्थलीय निरीक्षण, बच्चों से संवाद कर परखा जा रहा शैक्षणिक स्तर, बच्चों के साथ बैठकर मिड-डे मील ग्रहण कर अधिकारी स्वयं जांच रहे भोजन की गुणवत्ता, स्वाद एवं स्वच्छता, प्रत्येक अधिकारी को हर सप्ताह न्यूनतम 5 विद्यालयों के निरीक्षण एवं कमियों के त्वरित सुधार के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद के विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पौष्टिक भोजन एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देश पर अधिकारियों द्वारा विद्यालयों का नियमित स्थलीय निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के माध्यम से विद्यालयों की वास्तविक स्थिति का आकलन करते हुए कमियों को समयबद्ध रूप से दूर कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारी कक्षाओं में पहुंचकर बच्चों से सीधे संवाद कर उनके पठन-पाठन, उपस्थिति एवं सीखने के स्तर का आकलन कर रहे हैं। बच्चों से पाठ्यक्रम से संबंधित प्रश्न पूछकर शैक्षणिक गुणवत्ता की वास्तविक स्थिति भी परखी जा रही है। मिड-डे मील की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारी बच्चों के साथ बैठकर स्वयं भोजन ग्रहण कर भोजन की गुणवत्ता, स्वाद, स्वच्छता एवं निर्धारित मेन्यू के अनुपालन का प्रत्यक्ष सत्यापन कर रहे हैं। साथ ही विद्यालयों में पेयजल, शौचालय, विद्युत, साफ-सफाई सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी जायजा लिया जा रहा है। जिलाधिकारी ने प्रत्येक अधिकारी को हर सप्ताह न्यूनतम 5 विद्यालयों का स्थलीय निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा

निरीक्षण में पाई गई कमियों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि निरीक्षण का उद्देश्य केवल कमियां चिन्हित करना नहीं, बल्कि प्रत्येक बच्चे को बेहतर विद्यालय, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पौष्टिक भोजन एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। बच्चों के भविष्य से जुड़ी प्रत्येक व्यवस्था की नियमित और प्रभावी निगरानी प्रशासन की प्राथमिकता है।

61 वीं उत्तर प्रदेश स्तरीय स्टेट ओपन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप प्रतियोगिता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को प्रयागराज तियरा स्टेडियम से सुनील कुमार यादव (कोच) और संयुक्त सचिव

में होने जा रहे 61वीं उत्तर प्रदेश स्टेट ओपन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप प्रतियोगिता जो कि 23 अगस्त से 25 अगस्त तक मदन मोहन मालवीय स्टेडियम प्रयागराज में होने वाली है, उसमें सोनभद्र से लगभग 28 बच्चों का समूह प्रयागराज के लिए कल प्रस्थान करेंगे । जिसमें विशिष्ट विनय कुमार श्रीवास्तव जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन सोनभद्र (टीम मैनेजर) की भूमिका में नजर आएंगे। जिला क्रीड़ा अधिकारी शमीम अहमद और सचिव दिनेश सिंह जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन सोनभद्र ने सभी बच्चों को अपनी शुभकामनाएं दी।

चीनी की जमाखोरी पर प्रशासन सख्त, स्टॉकिस्टों के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण,जिलाधिकारी के निर्देश पर उपजिलाधिकारी ओबरा ने ओबरा एवं चोपन में चीनी स्टॉकिस्टों की जांच की

प्रत्येक शुक्रवार भारत सरकार के पोर्टल पर चीनी स्टॉक घोषित करना अनिवार्य,जमाखोरी अथवा स्टॉक संबंधी अनियमितता मिलने पर होगी कठोर विधिक कार्रवाई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चीनी के बढ़ते मूल्य को नियंत्रित रखने तथा बाजार में इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चीनी स्टॉकिस्टों की दुकानों एवं गोदामों के नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी सोनभद्र के निर्देश पर उपजिलाधिकारी, ओबरा द्वारा क्षेत्र में चीनी स्टॉकिस्टों के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ओबरा स्थित बालाजी ट्रेडर्स तथा चोपन स्थित अनूप ट्रेडर्स एवं मोहित ट्रेडर्स के प्रतिष्ठानों एवं गोदामों में उपलब्ध चीनी के स्टॉक की जांच की गई। इस दौरान स्टॉक संबंधी अभिलेखों एवं उपलब्ध मात्रा का भी सत्यापन किया गया। उपजिलाधिकारी ने संबंधित स्टॉकिस्टों एवं व्यापारियों को निर्देशित किया कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार प्रत्येक शुक्रवार पोर्टल पर चीनी के उपलब्ध स्टॉक की घोषणा अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। साथ ही स्पष्ट निर्देश दिए गए कि किसी भी दशा में चीनी की जमाखोरी न की जाए और बाजार में इसकी उपलब्धता सामान्य बनाए रखी

जाए। व्यापारियों को चेतावनी दी गई कि निरीक्षण के दौरान जमाखोरी, स्टॉक छिपाने अथवा किसी अन्य प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी।जिला प्रशासन द्वारा चीनी के मूल्य एवं उपलब्धता पर सतत निगरानी रखी जा रही है तथा शासन के निर्देशों के अनुपालन में स्टॉकिस्टों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण आगे भी जारी रहेगा।

आगामी त्योहारों पर पीस कमेटी की बैठक,सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील, गाइडलाइंस पालन पर जोर

सोनभद्र। सोनभद्र के कोन थाना परिसर में आगामी बरावफात, रक्षाबंधन और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्वों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। इसमें क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों और विभिन्न समुदायों के लोगों ने भाग लिया। बैठक के दौरान आगामी त्योहारों के आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। उपस्थित लोगों से सुझाव भी लिए गए। सभी ने आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने पर सहमति व्यक्त की।

पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सरकार और प्रशासन द्वारा जारी सभी गाइडलाइंस का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य होगा। किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने या कानून व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। थाना पुलिस ने लोगों से अपील की कि त्योहारों के दौरान किसी भी संदिग्ध गतिविधि या समस्या की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। साथ ही, सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं आपत्तिजनक संदेश प्रसारित करने से बचें। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर में शांति, भाईचारे और सौहार्द के साथ सभी त्योहार मनाने का संकल्प लिया।

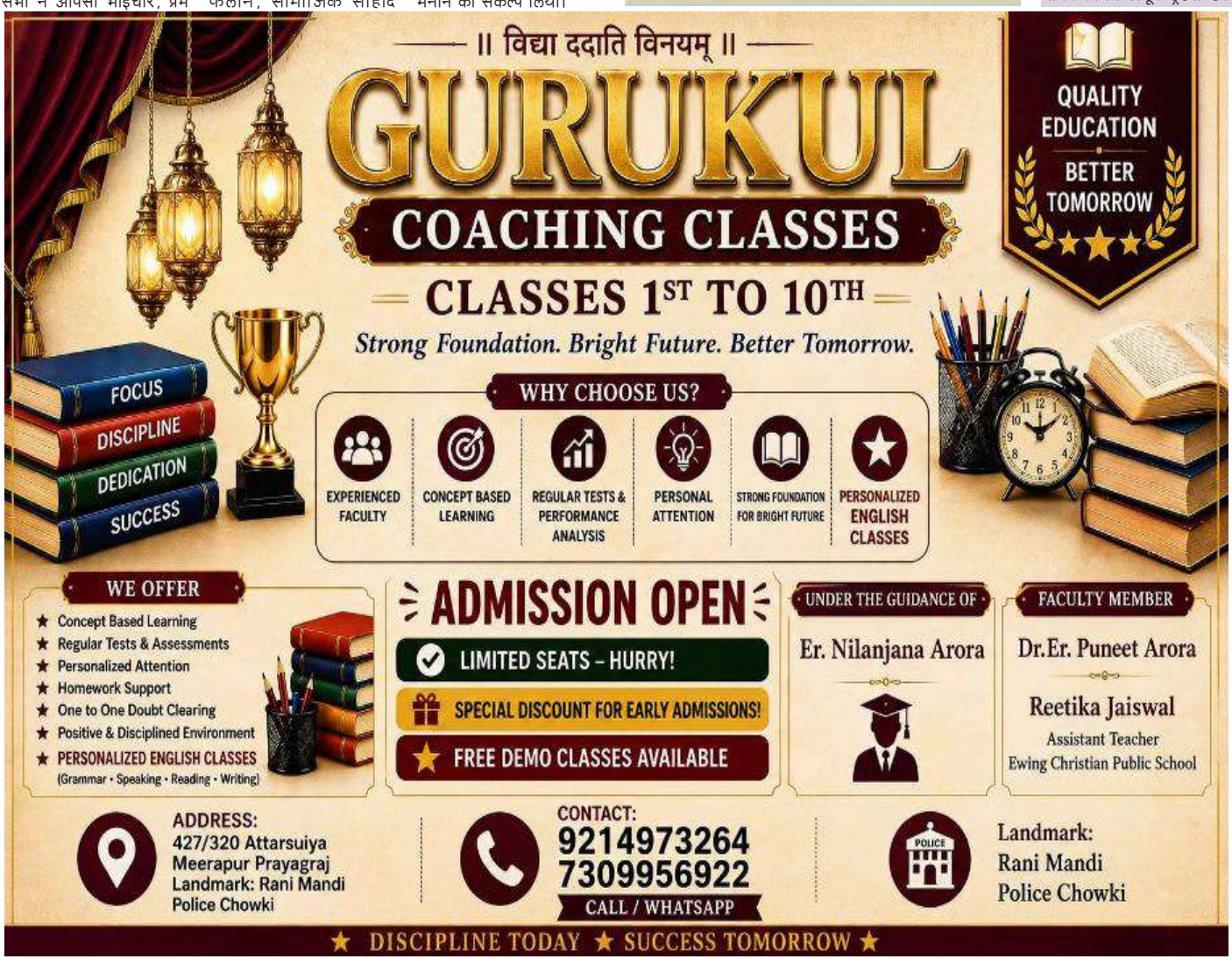

केशार जंगल पर अवैध कब्जा,ग्रामीणों ने 30-40 बीघा वन भूमि घेरा

सोनभद्र। चंदौली जनपद के केशार जंगल में सोनभद्र जिले के लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर वन भूमि पर अवैध कब्जा किया गया है। नौगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत केसर के राजा बांध के ऊपर सेमरहवा के जंगल में सोनभद्र के रायपुर थाना क्षेत्र के सिकरवार गांव के कुछ ग्रामीणों ने लगभग 30 से 40 बीघा वन भूमि पर अतिक्रमण कर लिया है। ग्रामीणों ने सरकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए इस भूमि पर पट्टा करा लिया था। हालांकि, यह पट्टा चंदौली की भूमि पर सोनभद्र के लोगों को दिया गया था, जो सरासर गलत था और अब इसे निरस्त कर दिया गया है। इसके बावजूद, ग्रामीण इसी निरस्त पट्टे की आड़ में वन भूमि पर व्यापक स्तर पर टमाटर और मिर्च जैसी फसलें उगा रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि वन विभाग को इस अवैध कब्जे की जानकारी नहीं है, या फिर यह विभाग की मिलीभगत से चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, वन विभाग कथित तौर पर कब्जे

वाली भूमि के लिए एक निश्चित राशि लेकर कोई कार्रवाई नहीं करता है। यहां तक कि पौधा रोपण के लिए गड्ढे खोदते समय भी, विभाग इन कब्जे वाली भूमियों को छोड़ देता है, जिससे वन विभाग की भूमिका संदिग्ध लगती है। इस संबंध में क्षेत्रीय वन कार्यालय महदेवा के वन दरोगा से संपर्क किया गया। उन्होंने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में नहीं है और वे इसकी जांच कर उचित कार्रवाई करेंगे। अब देखना यह होगा कि वर्षों से वन विभाग की भूमि पर चला आ रहा यह अवैध कब्जा बरकरार रहता है, या वन विभाग इस भूमि को मुक्त कराकर पौध रोपण करेगा। यह भी देखना होगा कि क्या यह मामला केवल कागजी खानापूर्ति तक सीमित रहेगा या ठोस कार्रवाई की जाएगी।

स्पोर्ट्स

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बांग्लादेश 64 रन पर ऑलआउटःदूसरे टेस्ट में स्टार्क के 6 विकेट, ऑस्ट्रेलिया का स्कोर-165/8, शोरिफुल ने लिए 6 विकेट

स्पोर्ट डेस्क। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच मैके में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के पहले दिन तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा। मिचेल स्टार्क ने सिर्फ 22 गेंदों में 5 विकेट लेकर बांग्लादेश की पहली पारी 64 रन पर समेट दी। स्टार्क ने मैच की पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को आउट किया और कुल 10 ओवर में 12 रन देकर 6 विकेट लिए। शनिवार को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम ने भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 विकेट लेकर जवाब दिया। दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया 40 ओवर में 165/8 बना चुका है। टीम की कुल बढ़त 101 रन है। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। स्टार्क ने पहली गेंद पर शादमान इस्लाम को स्लिप में कैच कराया। इसके बाद उन्होंने तंजीद हसन तमीम और नजमुल हुसैन शांतो को लगातार गेंदों पर आउट किया। तंजीद बाहर जाती गेंद पर बल्ला लगा बैठे और तीसरी स्लिप में कैच हो गए। अगली गेंद पर शांतो एलबीडब्लू हो गए। इसके बाद स्टार्क ने मोमिनुल हक और लिटन दास को भी पवेलियन भेज दिया। इस तरह उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों में 5 विकेट पूरे कर लिए। स्टार्क ने करीब 42 मिनट में अपना फाइव-विकेट हॉल पूरा किया। यह उनके टेस्ट करियर का 19वां फाइव-विकेट हॉल है। बाद में उन्होंने शोरिफुल इस्लाम को आउट कर अपना छठा विकेट भी हासिल किया। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी खराब रही-64 रन के जवाब में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। पारी के दूसरे ओवर में मैट रेनशॉ 8 रन बनाकर तस्किन अहमद की बॉल पर आउट हुए। इसके बाद शोरिफुल इस्लाम ने ट्रेविस हेड को 22, मार्नस लाबुशेन को 4 और स्टीव स्मिथ को 42 रन पर आउट कर दिया। शोरिफुल यहीं नहीं रुके। उन्होंने ब्यू वेबस्टर को खाता खोले बिना और कप्तान पैट कमिंस को भी आउट किया। इसके बाद मिचेल स्टार्क भी शोरिफुल की गेंद पर 1 रन बनाकर पवेलियन लौटे। शोरिफुल ने 11 ओवर में 35 रन देकर 6 विकेट लिए। ग्रीन ने संभाली ऑस्ट्रेलियाई पारी-ऑस्ट्रेलिया ने 148 रन तक 8 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कैमरन ग्रीन ने नाथन लायन के साथ मिलकर पारी को संभाला। ग्रीन ने दबाव के बीच 81 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाए। उन्होंने अपनी फिफ्टी 38वें ओवर में पूरी की। लायन 28 गेंदों पर 10 रन

बनाकर उनका साथ दे रहे हैं। दोनों ने नौवें विकेट के लिए अब तक 17 रन की साझेदारी कर ली है। मैच के पहले दिन कुल 18 विकेट गिरे। पहले बांग्लादेश 64 रन पर ऑलआउट हुआ, फिर ऑस्ट्रेलिया ने 165/8 तक पहुंचकर 101 रन की बढ़त हासिल कर ली। टेस्ट की पहली गेंद पर चौथी बार विकेट-शादमान को पहली गेंद पर आउट करते ही स्टार्क ने नया रिकॉर्ड बनाया। वह टेस्ट मैच की पहली गेंद पर चार बार विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले उन्होंने 2016 में श्रीलंका, 2021 में इंग्लैंड और 2024 में भारत के खिलाफ टेस्ट की पहली गेंद पर विकेट लिया था। उनसे पहले पेट्रो कॉलिन्स ने तीन बार यह कारनामा किया था। सबसे कम गेंदों में छठा फास्टेस्ट फाइव-विकेट हॉल-मिचेल स्टार्क ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 22 गेंदों में 5 विकेट लेकर टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज फाइव-विकेट हॉल की सूची में छठे स्थान पर जगह बनाई। हालांकि, सबसे कम गेंदों में 5 विकेट लेने का रिकॉर्ड भी स्टार्क के ही नाम है। उन्होंने 2025 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सिर्फ 15 गेंदों में 5 विकेट लिए थे। इस सूची में ऑस्ट्रेलिया के एर्नी टोशैक और इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड के अलावा स्कॉट बोलैंड और शेन वॉटसन भी शामिल हैं। टोशैक ने 1947 में भारत के खिलाफ 19 गेंदों में 5 विकेट लिए थे, जबकि ब्रॉड और बोलैंड ने भी 19-19 गेंदों में यह कारनामा किया। शेन वॉटसन ने 2011 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 21 गेंदों में 5 विकेट पूरे किए थे। डेल स्टेन को पीछे छोड़ा, 441 टेस्ट विकेट-पांचवां विकेट लेते ही स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में डेल स्टेन के 439 विकेट को पीछे छोड़ दिया। छठे विकेट के बाद उनके नाम 441 टेस्ट विकेट हो गए। वह टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। स्टार्क ने अश्विन को पीछे छोड़ा-बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 6 विकेट लेने के बाद मिचेल स्टार्क के तीनों फॉर्मेट में कुल 767 इंटरनेशनल विकेट हो गए। इसके साथ ही उन्होंने भारत के रविचंद्रन अश्विन के 765 विकेट को पीछे छोड़ दिया। स्टार्क अब इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में 11वें नंबर पर पहुंच गए हैं। चामिंडा वास 761 विकेट के साथ 13वें स्थान पर हैं। कमिंस ने मुशफिकुर को बोल्ड किया-स्टार्क के अलावा कप्तान पैट कमिंस ने भी बांग्लादेश के बल्लेबाजों को परेशान किया। उन्होंने अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम को बोल्ड किया। कमिंस की गेंद पिच पर पड़ने के बाद अंदर आई और बल्ले-पैड के बीच से निकलकर सीधे मिडिल स्टंप पर जा लगी। कमिंस ने 10 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि जोश हेजलवुड को एक विकेट मिला। बांग्लादेश 39 रन पर 9 विकेट गंवा चुका था-बांग्लादेश की हालत इतनी खराब थी कि टीम 39 रन पर 9 विकेट गंवा चुकी थी। चार बल्लेबाज- शादमान, तंजीद, शांतो और लिटन- खाता भी नहीं खोल सके। मुशफिकुर रहीम ने 5 और मेहदी हसन मिराज ने 11 रन बनाए। इसके बाद तैजुल इस्लाम और शोरिफुल इस्लाम ने आखिरी विकेट के लिए 25 रन जोड़े। शोरिफुल ने 14 और तैजुल ने नाबाद 11 रन बनाए। टीम 34 ओवर में 64 रन पर ऑलआउट हो गई। पहले टेस्ट में बांग्लादेश ने 9 विकेट से हराया-इस सीरीज के पहले टेस्ट में बांग्लादेश ने डार्विन में ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराकर ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर पहली जीत दर्ज की थी।

आंखों की रोशनी बढ़ाएं,रेगुलर करें ये 8 आई एक्सरसाइज डाइट में शामिल करें ये हेल्दी चीजे, न करें 8 गलतियां

मौजूदा वक्त में मोबाइल, लैपटॉप और टीवी हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। ये चीजें जिंदगी में इस कदर हावी हो गई हैं कि हम अपनी नींद भी पूरी नहीं कर पाते हैं। इसका सीधा असर आंखों पर पड़ता है। नतीजतन आंखों की रोशनी कम हो रही है। उम्र के साथ नजर कमजोर होना कॉमन है, लेकिन बच्चों और युवाओं में ये समस्या चिंता का विषय है। ऐसे में

सवाल उठता है कि क्या आंखों की रोशनी फिर से बढ़ सकती है। क्या इसका कोई नेचुरल तरीका हो सकता है। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. दिग्विजय सिंह, कंसल्टेंट, ऑप्थेल्मोलॉजी, धर्मशिला नारायणा सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से सवाल-उम्र के साथ स्वाभाविक ढंग से आंखों की रोशनी कम होती है। लेकिन क्या उम्र के अलावा खराब लाइफस्टाइल और आदतों से भी आंखों की रोशनी कमजोर हो सकती है? जवाब- एजिंग के अलावा खराब लाइफस्टाइल भी आंखों की रोशनी को प्रभावित करती है। जैसेकि-पोषण की कमी (खासकर विटामिन ए,सी और ओमेगा-3) से नजर कमजोर हो सकती है। लंबे समय तक मोबाइल, कंप्यूटर या टीवी स्क्रीन देखने से आंखों पर तनाव बढ़ता है। नींद पूरी न होने और लगातार आंखों के बहुत थकने से भी नुकसान हो सकता है। स्मोकिंग, धूल-धुएं और तेज रोशनी के संपर्क में रहने से भी आंखों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। कम रोशनी में पढ़ने या बारीक काम करने से नजर कमजोर हो सकती है। अंधेरे कमरे में ब्राइट लाइट वाली स्क्रीन (टीवी, मोबाइल, आईपैड, लैपटॉप) देखने से नजर कमजोर हो सकती है।सवाल- क्या आंखों की रोशनी बढ़ाई भी जा सकती है? जवाब- आंखों की रोशनी पूरी तरह बढ़ाना संभव नहीं है, लेकिन इसे बेहतर किया जा सकता है। हेल्दी और संतुलित डाइट आंखों को सपोर्ट करती है। साथ सही लाइफस्टाइल से आंखों की रोशनी को लंबे समय तक हेल्दी रखा जा सकता है। सवाल- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए क्या करना चाहिए? जवाब- इसके लिए हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना सबसे जरूरी है, जैसेकि- डाइट में विटामिन, मिनरल से भरपूर चीजें जैसे गाजर, पालक, ब्रॉकली और खट्टे फल शामिल करें।लगातार लंबे समय तक मोबाइल या लैपटॉप देखने से बचें। बीच-बीच में आंखों को आराम दें। धूप में बाहर निकलते समय युवी (अल्ट्रा वॉयलेट) प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस पहनें। ये आंखों को नुकसान से बचाते हैं। नियमित एक्सरसाइज करें और वेट मेंटेन रखें। डायबिटीज कंट्रोल में रखें। समय-समय पर आई-चेकअप करवाते रहें।सवाल- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए कौन-सी एक्सरसाइज करनी चाहिए? जवाब- आंखों की एक्सरसाइज करने से आई-मसल्स रिलैक्स होती हैं और तनाव कम होता है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने वालों के लिए नियमित ब्रेक और आई एक्सरसाइज फायदेमंद होती है। पामिंग (आंखों पर हथेली रखकर आराम करना) करने से आंखों को आराम मिलता है और थकान कम होती है। ब्लिंकिंग एक्सरसाइज (जल्दी-जल्दी पलकें झपकाना) से आंखों में नमी बनी रहती है और ड्राईनेस कम होती है। आई-फोकस बदलने की एक्सरसाइज से आंखों की फोकस करने की क्षमता बेहतर होती है।हालांकि, एक्सरसाइज से आंखों की रोशनी पूरी तरह नहीं लौटती, लेकिन आई स्ट्रेन और थकान जरूर कम होती है।सवाल- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए हमारी डाइट कैसी होनी चाहिए? जवाब- आई हेल्थ के लिए विटामिन ए,सी, ई जिंक और ओमेगा-3 फैटी एसिड बेहद महत्वपूर्ण हैं। डिटेल पॉइंटर्स से समझें-विटामिन ए रेटिना को स्वस्थ रखता है।

मात्र 16 साल की उम्र में डायबिटीज और फैटी लिवर,11 फूड ब्रांड्स पर केस

अमेरिकी फूड इंडस्ट्री पर भूख न मिटाने वाले खाने का आरोप

न्यूयॉर्क। 16 साल के ब्राइस मार्टिनेज को जब सीने में तेज दर्द हुआ, तो उसे लगा कि शायद यह अस्थमा का दौरा है। पर स्कूल में जब उसका ब्लड प्रेशर नापा गया, तो आंकड़े देखकर सब सन्न रह गए। ब्राइस को तुरंत इमरजेंसी रूम ले जाया गया। डॉक्टरों ने जब रिपोर्ट देखी तो कड़वी सच्चाई सामने आई... इतनी कम उम्र में ब्राइस को टाइप 2 डायबिटीज और फैटी लीवर जैसी गंभीर बीमारियां हो चुकी थीं। ब्राइस के लिए यह सदमे जैसा था। पर वे हार मानकर नहीं बैठे और अमेरिका के 11 अल्ट्राप्रोसेस्ड फूड दिग्गजों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया, जानिए उनका संघर्ष-ब्राइस को बचपन से मोटापे की समस्या जरूर थी, लेकिन उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था कि बच्चों को भी बड़ों वाली बीमारियां हो सकती हैं। रिसर्च करने पर ब्राइस को अहसास हुआ कि अमेरिकी बच्चे खराब खाद्य माहौल में जी रहे हैं। उसे बचपन की यादें ताजा हो गईं। सुबह स्कूल भागते समय खाया जाने वाला शुगर से भरा सीरियल (ओट्स, फ्लैक्स) दोपहर में स्कूल कैंटीन का पिज्जा-बर्गर और शाम को माता-पिता के लौटने से पहले माइक्रोवेव में गर्म किया फ्रोजन फूड। उन्हें महसूस होने लगा कि जो पैकेज्ड जूस, चिप्स व इंस्टेंट फूड वे खाते थे, वैज्ञानिक रूप से इस तरह बनाए गए थे कि भूख कभी शांत ही न हो। जिन खाद्य पदार्थों को वह कमजोरी मानते थे, असल में वे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड थे, जिन्हें कंपनियों ने जानबूझकर बच्चों को आदी बनाने के लिए 'डिजाइन' किया था। 18 साल के होते-होते ब्राइस का गुस्सा संकल्प में बदल गया। उन्होंने फैसला किया कि वे इस बीमारी का कसूरवार खुद को मानना बंद करेंगे। उन्होंने अमेरिका की 11 फूड दिग्गज कंपनियों पर केस कर दिया (जिनमें कोका-कोला, पेप्सीको, क्राफ्ट हाइंज व नेस्ले शामिल थीं)। यह अल्ट्राप्रोसेस्ड फूड्स के कारण स्वास्थ्य को हुए नुकसान का इतिहास में पहला व्यक्तिगत केस था। ब्राइस के सामने 959 लाख करोड़ का विशाल फूड और बेवरेज उद्योग था। इसके बाद ऐसे आधा दर्जन केस और सामने आए। इनमें दावा है कि बच्चों को टारगेट कर इंजीनियर किए गए अल्ट्राप्रोसेस्ड फूड ने 18 साल से कम उम्र में लंबे वक्त तक

चलने वाली बीमारियां पैदा कीं।विशेषज्ञों का मानना है कि ब्राइस का यह कदम 1950 के दशक में तंबाकू कंपनियों के खिलाफ शुरू हुए अभियान जैसा है। तब भी तंबाकू कंपनियों के खिलाफ भी सैकड़ों मामले खारिज हुए थे, पर जो गोपनीय दस्तावेज सामने आए, उन्होंने कंपनियों के झूठ का पर्दाफाश कर दिया। अंततः सरकारों को कड़े नियम बनाने पड़े। 20 साल के ब्राइस रोज इंसुलिन व दवाओं के सहारे हैं। कोर्ट ने शुरुआती केस खारिज कर दिया है। अब वे ऊपरी कोर्ट में अपील कर रहे हैं।

उनकी इस पहल से प्रेरित होकर कैलिफोर्निया राज्य ने भी जनता की ओर से इन्हीं 11 कंपनियों पर केस किया है। सिर्फ डायबिटीज पर ही करीब 4.51 लाख करोड़ रु. खर्च बताया गया है। ब्राइस की यह कानूनी जंग राष्ट्रीय आंदोलन बन चुकी है, इस तर्क के साथ कि ये बीमारियां हमारी पसंद का नतीजा नहीं, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मुनाफे का खेल है।

पसीना भी बताता है सेहत का हाल,स्वेटिंग पैटर्न से जानें यह किस हेल्थ कंडीशन का संकेत

कब डॉक्टर को दिखाना जरूरी

नयी दिल्ली। विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से- गर्मियों में पसीना आना कॉमन है। लेकिन क्या आपने

कभी ऐसा महसूस किया है कि तापमान सामान्य है, फिर भी पसीना आ रहा है। पसीने से अजीब सी स्मेल आ रही है। अगर हां, तो ये कॉमन नहीं है। इसका मतलब ये हो सकता है कि हमारा शरीर किसी हेल्थ कंडीशन की ओर इशारा कर रहा है। इंसान के स्वस्थ रहने के लिए पसीना आना जरूरी है, लेकिन कई बार यह सेहत से जुड़े कई अहम संकेत भी देता है। 'साइंस डेली' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, पसीना सालों पहले ही कुछ हेल्थ कंडीशंस के संकेत देने लगता है। स्वेटिंग पैटर्न (पसीने का पैटर्न) से इसका पता लगा सकते हैं। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज समझेंगे कि पसीना क्यों आता है। साथ ही जानेंगे कि- इसका हेल्दी पैरामीटर क्या है? इसकी स्मेल किस बात का संकेत है?सवाल- पसीना क्यों आता है? यह शरीर के लिए क्यों जरूरी है? जवाब- पसीना शरीर का नेचुरल कूलिंग सिस्टम है। जब बॉडी का तापमान बढ़ता है, तो यह पसीने के जरिए खुद को ठंडा करती है। जब पसीना वाष्पित होता है तो शरीर का तापमान कम होता है। ये शरीर से अतिरिक्त गर्मी को कम करता है, जिससे ओवरहीटिंग नहीं होती। एक्सरसाइज, गर्म मौसम, स्ट्रेस या हॉर्मोनल बदलाव में पसीना ज्यादा आता है, क्योंकि इससे मेटाबॉलिज्म और बॉडी हीट बढ़ती है। अगर पसीने का पैटर्न सामान्य है तो इसका मतलब है कि हार्ट, नर्वस सिस्टम और टेम्परेचर कंट्रोलिंग सिस्टम स्मूदली काम कर रहा है।सवाल- क्या पसीना आने का भी कोई हेल्दी पैरामीटर होता है? क्या ये हेल्थ का मार्कर हो सकता है? जवाब- पसीने की मात्रा हर व्यक्ति में अलग होती है। यह फिटनेस लेवल, जेनेटिक्स और मौसम से प्रभावित होता है। एक्सरसाइज के समय पसीना आना अच्छी कार्डियोवस्कुलर एडाप्टेशन का संकेत हो सकता है। कार्डियोवस्कुलर एडॉप्टेशन का मतलब है, हार्ट और ब्लड वेसल्स शरीर की जरूरतों के अनुसार खुद को एडजस्ट कर रही हैं। बिल्कुल पसीना न आना या बहुत ज्यादा आना (हाइपरहाइड्रोसिस) कभी-कभी नर्व, हॉर्मोन या स्किन प्रॉब्लम्स से जुड़ा हो सकता है। पसीने की गंध या रंग में बदलाव इन्फेक्शन या डिहाइड्रेशन का संकेत दे सकता है। हेल्दी पैरामीटर यह है कि शरीर की जरूरत के अनुसार तापमान संतुलन बना रहे, थकान या चक्कर जैसे लक्षण न हों। सवाल- क्या ज्यादा या कम पसीना आना किसी हेल्थ प्रॉब्लम का संकेत हो सकता है? जवाब- हां, ज्यादा पसीने का मतलब है कि बॉडी की टेम्परेचर कंट्रोल करने की क्षमता प्रभावित हुई है। अगर बिना मेहनत किए ही पसीना आ रहा है तो हॉर्मोन्स या नर्वस सिस्टम से जुड़ी समस्या हो सकती है। वहीं बहुत कम पसीना डिहाइड्रेशन जैसी किसी समस्या का संकेत हो सकता है। सवाल- स्वेटिंग पैटर्न (कब, कितना और कहां) से सेहत के बारे में क्या पता चलता है? जवाब- पसीने का पैटर्न और उसकी स्मेल कई हेल्थ रिस्क का संकेत दे सकती है। अलग-अलग संकेत क्या बताते हैं,सवाल-पसीने का पैटर्न कब किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है? जवाब- पसीना आना सामान्य है और स्वस्थ रहने के लिए जरूरी भी है। हालांकि, कुछ मामलों में यह किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकता है- अचानक ठंडा-चिपचिपा पसीना- लो बीपी या हार्ट स्ट्रेस संकेत हो सकता है। बहुत तेज बदबू वाला पसीना- इन्फेक्शन या मेटाबॉलिक बदलाव का संकेत हो सकता है। मेहनत के बिना लगातार पसीना- यह हाइपरहाइड्रोसिस का संकेत हो सकता है। चक्कर, कमजोरी के साथ पसीना- शरीर में इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन का संकेत हो सकता है। तेज गर्मी में भी पसीना न होना- कूलिंग फेलियर, अनहाइड्रोसिस का संकेत हो सकता है। रात में अचानक गर्मी के साथ पसीना-क्रॉनिक इन्फेक्शन या हॉर्मोन इश्यू का संकेत हो सकता है। एकदम नया स्वेटिंग पैटर्न- ऐसे में मेडिकल चेकअप जरूरी है। सवाल- क्या हॉर्मोनल बदलाव, थायरॉइड या डायबिटीज के कारण भी स्वेटिंग पैटर्न बदल सकता है? जवाब- हां, हॉर्मोनल बदलाव, थायरॉइड या डायबिटीज तीनों का स्वेटिंग पैटर्न से सीधा कनेक्शन है-हॉर्मोन शरीर के तापमान और मेटाबॉलिज्म को कंट्रोल करते हैं। थायरॉइड ज्यादा एक्टिव होने पर ज्यादा बड़ी हीट बनती है। इससे पसीना बढ़ सकता है। लो थायरॉइड में पसीना कम और स्किन ड्राई लग सकती है। बीमारी जैसे हाइपर-थायरॉइडिज्म में बार-बार पसीना आ सकता है। ब्लड शुगर लो होने पर अचानक पसीना और कंपकंपी हो सकती है। यह कंडीशन डायबिटीज में भी देखी जाती है। प्यूबर्टी या मेनोपॉज में हॉट फ्लैशेज (अचानक गर्मी लगना) के साथ स्वेटिंग हो सकती है। सवाल- क्या स्ट्रेस और एंग्जाइटी के कारण भी पसीने का पैटर्न बदल सकता है? इसके क्या संकेत होते हैं? जवाब- हां, स्ट्रेस के कारण शरीर की हॉर्मोनल एक्टिविटीज बदलती हैं और इससे पसीने का पैटर्न भी बदल जाता है-स्ट्रेस में सिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम (शरीर का फाइट या फ्लाइट मोड में जाना) एक्टिव होकर पसीना बढ़ाता है। हथेलियों, तलवों और अंडरआर्म में अचानक पसीना आना कॉमन है।

सामान्य तापमान में भी पसीना आना एंग्जाइटी ट्रिगर का संकेत हो सकता है। स्ट्रेस बढ़ने पर तेज हार्ट रेट के साथ पसीना हो सकता है। पब्लिक स्पीकिंग या डर की स्थिति में पसीना बढ़ना सामान्य प्रतिक्रिया है। लगातार स्ट्रेस से स्वेटिंग पैटर्न अनियमित हो सकता है।

सवाल- हेल्दी स्वेटिंग और बॉडी टेम्परेचर बैलेंस रखने के लिए लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करने चाहिए?

जवाब- इसके लिए लाइफस्टाइल में कुछ छोटे-छोटे बदलाव करने चाहिए।सवाल-पसीने की स्मेल कम करने और स्किन को हेल्दी रखने के लिए क्या करना चाहिए?

जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए-रोज नहाते समय अंडरआर्म, पैर और स्किन फोल्ड्स (शरीर के जॉइंट्स के आसपास की स्किन) अच्छी तरह साफ करें।

एंटीबैक्टीरियल और स्किन-फ्रेंडली साबुन इस्तेमाल करें। नहाने के बाद थोड़ी देर बॉडी में हवा लगने दें। ढीले और साफ कपड़े पहनें।

पसीना होने पर रोज कपड़े बदलें। डाइट में फाइबर, हरी सब्जियां और प्रोबायोटिक फूड शामिल करें।

बहुत मीट, प्रोसेस्ड और जंक-फूड कम खाएं।

नींबू पानी या हर्बल ड्रिंक लें। इससे बॉडी ओडर कंपाउंड्स नही बनाती है। सवाल- किस तरह का स्वेटिंग पैटर्न दिखने पर डॉक्टर के पास जाना चाहिए? जवाब- इन सभी कंडीसंस में डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है-अगर बिना वजह बहुत ज्यादा या अचानक पसीना हो।

अगर पसीने के साथ सीने में दबाव, घबराहट या सांस फूले। अगर बार-बार रात में भीग जाने जैसा पसीना आए।

अगर गर्मी या एक्सरसाइज में भी पसीना न आए, शरीर बहुत गर्म लगे। अगर सिर्फ एक साइड या एक हिस्से में असामान्य स्वेटिंग दिखे।अगर पसीने के साथ चक्कर, कमजोरी या बेहोशी महसूस हो।

दुनिया के तीन बड़े नेताओं की गलतियां हमें क्या सिखाती हैं?

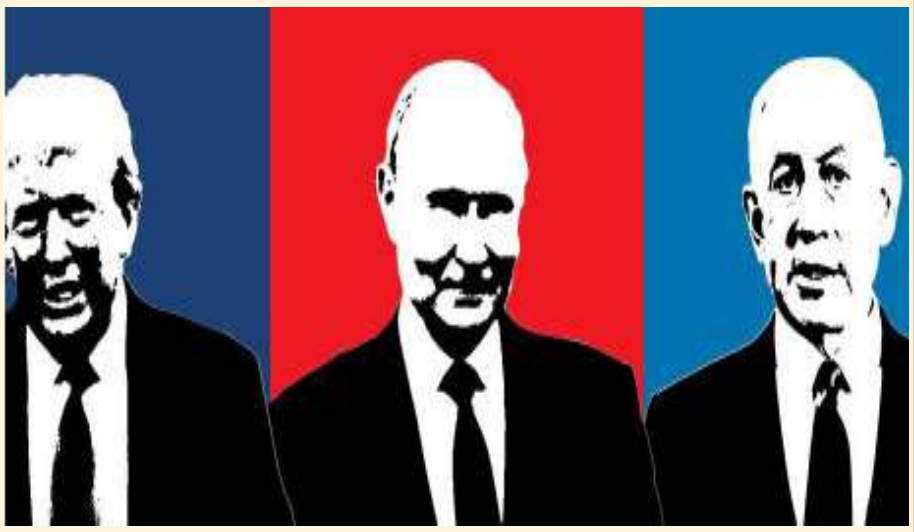

ट्रम्प, नेतन्याहू और पुतिन एक-दूसरे से बिल्कुल अलग व्यक्तित्व वाले नेता हैं, लेकिन उनमें एक समानता है- तीनों बेरूत या तेहरान में किसी की हत्या करानी हो, तो मोसाद को बुलाइए। पर यदि आपको बेरूत या तेहरान के राजनीतिक- अमेरिका मिलकर ईरान के शीर्ष नेताओं की हत्या कर दें तो वहां की सरकार गिर जाएगी और उसकी जगह अच्छे लोग सत्ता में बदलने में सफल नहीं हुए हैं। ट्रम्प ने बिना किसी सहयोगी, बिना अंतरराष्ट्रीय वैधता और बिना वैकल्पिक योजना के ईरान

को यह गलतफहमी है कि किसी भी सभा में सबसे बुद्धिमान व्यक्ति वही होते हैं। तीनों ने अपने आसपास चाटुकारों की फौज इकट्ठा कर रखी है, इसलिए वे ऐसे युद्धों में उलझ गए हैं, जिनसे बाहर निकलने का कोई स्पष्ट रास्ता नहीं दिखता।सबसे पहले नेतन्याहू की बात करें। अपना संतुलन खो देने- और अपने साथ मोसाद के नेतृत्व को भी उसी दिशा में ले जाने का संकेत उनके दो फैसलों में स्पष्ट दिखाई देता है। पहला, यह मान लेना कि इजराइल केवल हवाई हमलों से तेहरान की सत्ता को गिरा सकता है। दूसरा, यह विश्वास करना कि वह ईरान का अगला नेता चुन सकता है। 1982 में मैंने देखा था कि किस तरह लेबनान की ईसाई मिलिशिया ने मोसाद को यह विश्वास दिला दिया था कि एक त्वरित सैन्य अभियान के जरिए इजराइल बेरूत में फिलिस्तीन-विरोधी नेता बशीर गेमायेल को राष्ट्रपति बना सकता है। तभी से मोसाद के बारे में मेरी यह धारणा रही है कि यदि आपको सामाजिक रुझानों को समझना हो, तो उसके पास मत जाइए। जिस कारण वह पहले काम में माहिर है, वही उसे दूसरे काम में कमजोर बनाता है।मोसाद इजराइल के दुश्मनों का पता लगाकर उनका खात्मा करने में बेहद सक्षम है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि वह लेबनान, ईरान, वेस्ट बैंक और अरब जगत के अन्य हिस्सों में असंतुष्ट नागरिकों की भर्ती करने में सिद्धहस्त है। समस्या यह है कि यही लोग अकसर अपनी सरकार की कमजोरी को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं और यह आभास देते हैं कि उसे गिराना आसान होगा। परिणाम यह होता है कि ट्रम्प जैसे व्यक्ति- जिन्हें इतिहास की समझ नहीं है- यह मान बैठते हैं कि यदि मोसाद हत्याएं करने में सक्षम है, तो वह यह अनुमान लगाने में भी उतना ही सक्षम होगा कि उनके मारे जाने के अगले दिन क्या होने वाला है। यही वजह है कि फरवरी में व्हाइट हाउस में हुई बैठक के दौरान जब नेतन्याहू और मोसाद चीफ डेविड बरनिया ने कहा कि यदि इजराइल और सम्भाल लेंगे, तो ट्रम्प ने इसे गम्भीरता से ले लिया। उन्होंने मान लिया कि ईरान भी उसी तरह उनके हाथ आ जाएगा, जैसे वेनेजुएला आ गया था।ट्रम्प और नेतन्याहू अकेले ऐसी गफलतों के शिकार नहीं हैं। पुतिन ने भी अपनी ही बनाई इस धारणा पर यकीन कर लिया कि यूक्रेन के लोग फिर से 'मदर रशिया' का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हैं और कीव की सरकार आसानी से गिर जाएगी। पुतिन की सबसे बुनियादी भूल यह मान बैठना था कि यूक्रेनी और रूसी एक ही लोग हैं और यूक्रेन की स्वतंत्रता केवल पश्चिम द्वारा गढ़ी गई कृत्रिम अवधारणा है। ईरान के मामले की ही तरह रूसी खुफिया एजेंसियां भी उन रूस-समर्थक स्रोतों पर अत्यधिक निर्भर रहीं, जिन्होंने मॉस्को को वही बताया जो वह सुनना चाहता था, बजाय इसके कि वे वास्तविकता का आकलन प्रस्तुत करते। नेतन्याहू ने हमास, हिजबुल्ला और तेहरान के खिलाफ सामरिक स्तर पर भले ही सफलताएं हासिल की हों, लेकिन वे उन्हें इजराइल के लिए किसी नई रणनीतिक वास्तविकता पर हमला करने का निर्णय लेकर अमेरिका को कमजोर और अलग-थलग कर दिया। साथ ही उन्होंने ईरान को दो ऐसे सस्ते और प्रभावी तरीकों का महत्व समझा दिया, जिनसे वह व्यापक व्यवधान पैदा कर सकता है- पहला, होर्मुज पर नियंत्रण; और दूसरा, अमेरिका के खाड़ी स्थित सहयोगी देशों को निशाना बनाना। और पुतिन रूस के कमजोर लोकतंत्र को एक पुलिस-स्टेट में बदल चुके हैं, जिसकी अर्थव्यवस्था पेट्रोलियम पर निर्भर है। आज एआई क्रांति में रूस कहीं दिखाई नहीं देता। ये तीनों नेता एक ऐसी बंद गली में पहुंच चुके हैं, जहां से निकलने के लिए वे बमबारी का सहारा लेने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रम्प, नेतन्याहू और पुतिन- तीनों को यह गलतफहमी है कि किसी भी सभा में सबसे बुद्धिमान व्यक्ति वही होते हैं। तीनों ने अपने आसपास चाटुकारों की फौज इकट्ठा कर रखी है, इसलिए वे ऐसे युद्धों में उलझ गए हैं, जिनसे बाहर निकलने का कोई स्पष्ट रास्ता नहीं दिखता। (द न्यूयॉर्क टाइम्स से,थॉमस एल. फ्रीडमैन)

एंटरटेनिंग आंत्रप्रेन्योर बोरियत को भी बिजनेस में बदल देते हैं

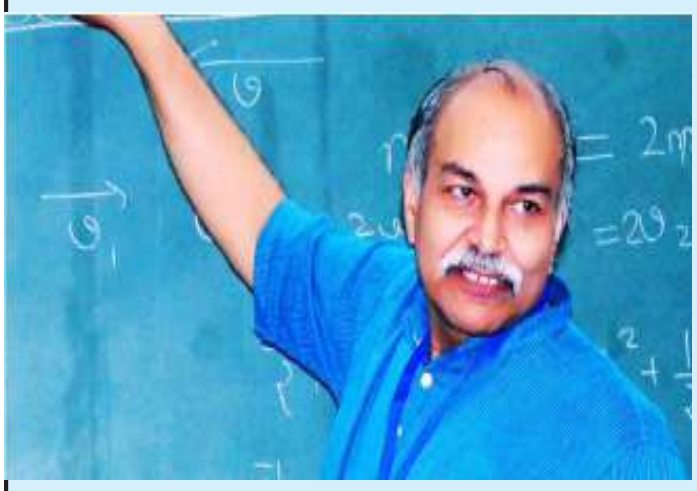

जिंदगी जब ठहर-सी जाए, एंग्जायटी बढ़ने लगे और आप खुद को चारदीवारी में फंसा महसूस न्योनिका (26) की यह असाधारण कहानी आज होस्टल के कमरे में बैठे किसी युवा के लिए बेहतरीन बोर्ड गेम्स खेले जाएंगे। यह कठिन समय में मन को थोड़ी-सी खुशी देने का जरिया था। जैसे वनीला किए तो वे इंटरनेट पर देखे जाने लगे। लोगों का जबरदस्त इंगेजमेंट मिला। अनजान भी पूछने लगे कि

करें तो आप क्या करते हैं? मैं यह स्थिति अकसर विश्वविद्यालयों के नए स्टूडेंट्स, खासकर होस्टलर्स में देखता हूं, जिन्हें समझ नहीं आता कि रविवार को नए शहर में आखिर क्या करें। सबसे पहले उन्हें यही लगता है कि यहां से भाग छूटें। वे बिना सोचे-समझे अंतहीन वीडियो स्क्रॉल करते हैं, आंखें दुखने तक बिंजवॉच करते हैं या फिर वीडियो गेम्स में खो जाते हैं। इससे उन्हें कुछ समय की राहत तो मिलती है, लेकिन आखिर में वे खालीपन महसूस करते हैं। संक्षेप में, वे एंटरटेनमेंट को कंज्यूम तो करते हैं, लेकिन शायद ही उसे क्रिएट करने का सोचते हैं। लेकिन क्या हो अगर बोरियत दूर करने का आपका कोई साधारण तरीका, कोई लेट-नाइट स्ट्रेस-रिलीफ डूडल या पालतू डॉग से जुड़ा कोई मजाक ही करोड़ रुपए के ग्लोबल स्टार्टअप का बीज बन जाए? लखनऊ की बहनों, मृणालिनी मित्रा (27) और सीख है। यह साबित करती है कि जब आप एंटरटेनमेंट को इनोवेशन की भावना से देखते हैं तो लिविंग रूम में किया साधारण काम भी ग्लोबल बिजनेस में बदल सकता है। कुछ साल पहले मृणालिनी और न्योनिका वहीं खड़ी थीं, जहां पहुंचने का सपना भारत के कई महत्वाकांक्षी युवा देखते हैं। मृणालिनी ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएट थीं और न्योनिका ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से डिग्री ली थी। विदेशों में प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट इंटर्नशिप और शानदार ग्लोबल कॅरिअर उनका इंतजार कर रहे थे। तभी उन्होंने सुना कि उनकी मां को कैंसर है तो यह उनके लिए बड़ा सदमा था। एक पल भी सोचे बिना दोनों बहनें सारे प्लान छोड़कर मां की देखभाल के लिए लखनऊ के राजेंद्र नगर स्थित घर लौट आईं। घर का माहौल भारी था और दोनों पर बेहद भावनात्मक दबाव था। इससे निपटने के लिए परिवार ने एक नियम बनाया कि हर रविवार आइसक्रीम में चॉकलेट मिलाई जाती है, वैसे ही जब दोनों बहनों ने एंटरटेनमेंट में इनोवेशन को मिलाया तो उनकी साधारण पारिवारिक कहानी उद्यमिता की मिसाल बन गई। ज्यादातर लोग बस बाजार से कोई साधारण-सा बोर्ड गेम खरीद लेते हैं। लेकिन मित्रा बहनों ने एंटरटेनमेंट के साथ इनोवेशन करने का फैसला किया और अपनी एक दुनिया बनाने की ठानी। कठिन हालात में घर में खुशी के पल लाने वाले अपने पालतू डॉग 'यासु' से प्रेरित होकर बहनों ने कुछ कैरेक्टर्स की स्केचिंग शुरू की। खाली कार्ड्स पर पौराणिक कथाएं, हाथ की चित्रकारी, ओरिजिनल म्यूजिक और निजी किस्से पिरोए। शुरुआत में यह सिर्फ तनाव दूर करने की थैरेपी जैसा था, ताकि वे एक-दूसरे को हंसा सकें और रोजमर्रा में खुशी से जुड़े रहें। उन्होंने कोई बिजनेस प्लान नहीं बनाया। बस, थोड़ा मजा करने का बेहतर तरीका ईजाद किया। लेकिन जब उन्होंने हाथ से बनाए कैरेक्टर्स यूट्यूब पर शेयर यह गेम कहां से खरीद सकते हैं।इसी पल बहनों को एहसास हुआ कि उनके निजी स्ट्रेस-बस्टर में कारोबारी संभावना भी है। ऐसे समय में जब टेक स्टार्टअप लागत बचाने के लिए एआई-जनरेटेड आर्टवर्क इस्तेमाल कर रहे हैं, इन बहनों ने एक साहसिक और उम्मीदों के विपरीत राह चुनी- हर चित्र अपने हाथों से बनाया। इस महीने की शुरुआत में उनके इस 'लिविंग रूम स्ट्रेस-बस्टर' ने एक लाख डॉलर (करीब 95.45 लाख रुपए) से ज्यादा का रेवेन्यू कमाया। 40 देशों में इस गेम के खरीदार हैं।फंडा यह है कि जब आप अपने फन को इनोवेटिव बनाते हैं, विचारों को डॉक्यूमेंट में उतारते हैं और उन्हें ऑनलाइन शेयर करते हैं, साथ ही मानते हैं कि आपकी कल्पना महज समय बिताने का साधन नहीं बल्कि एक संभावित सम्पत्ति है तो कोई साधारण-सा खेल भी ग्लोबल बिजनेस का बीज बन सकता है।एन. रघुरामन

नेकी लौटती है, हम तक नहीं तो हमारे बच्चों तक पहुंचती है

कुछ तारीखें अविस्मरणीय बन जाती हैं, इसलिए नहीं कि उस दिन कुछ खास घटित हुआ था बल्कि इसलिए कि वे समाज में नेकी का एहसास कराती हैं।

20 जुलाई ऐसी ही एक तारीख है। आप यह पढ़कर जो घटनाक्रम याद कर रहे हैं, उस पर मैं बाद में आऊंगा। लेकिन उससे पहले मैं आपको आईआईटी कानपुर में 20 जुलाई 2024 के दिन पर लेकर

चलता हूं। दरअसल, इस कहानी की शुरुआत बहुत पहले हुई थी। इसके बीज पद्मश्री से सम्मानित और फिजिक्स के जाने-माने शिक्षक प्रो. एच.सी. वर्मा ने बोए थे, जो मानते थे कि कोई छोटा-सा योगदान भी असाधारण बदलाव ला सकता है। आईआईटी कानपुर में प्रोफेसर एमेरिटस रहे प्रो. वर्मा ने 1994 से 2017 तक वहां फिजिक्स पढ़ाई और बाद में कैंपस के ऑपर्च्युनिटी स्कूल में स्पेशल एडवाइजर के तौर पर सेवा दी। 1964 में स्थापित यह स्कूल समीप ही रहने वाले कैंपस के सपोर्टिंग स्टाफ और आसपास के जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा देता आ रहा है। इनमें से कई बच्चे भूखे स्कूल आते थे। कुछ असेंबली में बेहोश हो जाते थे। कुछ का पढ़ाई में मन नहीं लगता या वे स्कूल ही नहीं आते थे, क्योंकि भूखे पेट पढ़ाई नामुमकिन है। प्रो. वर्मा इसे बदलना चाहते थे।उनके मन में एक एनजीओ के जरिए बच्चों को पौष्टिक भोजन मुहैया कराने का विचार पहली बार 2017 में आया, लेकिन फंडिंग को लेकर मतभेद के कारण सिरे नहीं चढ़ पाया। 2024 में यह विचार फिर चर्चा में आया तो दूसरी बाधा थी कि एनजीओ ने जितने स्टूडेंट मांगे, उतने स्कूल में थे ही नहीं। लेकिन हार मानने के बजाय आईआईटी समुदाय ने खुद रास्ता खोजा।एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के असिस्टेंट प्रोफेसर टी.के. गुहा, जो हॉल-5 के वार्डन भी थे, ने मेस मैनेजर अंशु जोशी के साथ मिलकर एक सरल-सा समाधान निकाला कि हॉल-5 का हर स्टूडेंट अपनी पॉकेट मनी से हर हफ्ते सिर्फ 5 रुपए देगा। और 20 जुलाई 2024 को बच्चों को पहला भोजन परोसा गया। जो शुरुआत में छोटा-सा प्रयोग लग रहा था, जल्द ही एक मुहिम बन गई। नवंबर 2024 तक हॉल 1, 3 और 8 के साथ गर्ल्स हॉस्टल-1 भी इसमें जुड़ गया, ताकि हर हफ्ते बच्चों को स्कूल के सभी पांचों दिन पौष्टिक खाना मिल सके। जैसे-जैसे यह बात स्टूडेंट्स जिमखाना और हॉस्टल अफेयर्स की काउंसिल ऑफ स्टूडेंट्स के जरिए फैली, और स्टूडेंट इसमें जुड़ते गए। आज आईआईटी, कानपुर के 1,649 छात्र हर हफ्ते 5 रुपए का योगदान देते हैं। इसका अर्थशास्त्र बेहद आसान है। करीब 250 बच्चों को एक समय का पौष्टिक भोजन कराने में लगभग 3 हजार रुपए खर्च होते हैं, यानी हर छात्र के मेस बिल में महीने के सिर्फ 20 रुपए अतिरिक्त जुड़ते हैं। चावल, गेहूं, चना और राजमा जैसी चीजों की थोक खरीदी के कारण लागत कम होती है और यह कार्यक्रम टिकाऊ बना रहता है।लेकिन इसके असल फायदों को पैसों में नहीं मापा जा सकता। शिक्षकों ने देखा कि बच्चे अधिक स्वस्थ, ऊर्जावान और अटेंटिव हो गए। उनकी अटेंडेंस में सुधार और वे खुश रहने लगे। सबसे अहम आईआईटी स्टूडेंट्स ने वो सबक सीखा, जो कोई किताब नहीं सिखा सकती- यदि अपने हिस्से का छोटा-सा हिस्सा भी बांटें तो यह दूसरों की जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकता है। अब 20 जुलाई 2026 पर लौटते हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों तक देशभर से अनजान लोगों ने भोजन पहुंचाया। कोई नहीं जानता, किसने उसका पैसा दिया। भोजन भेजने वालों को भी नहीं पता कि किसने उसे खाया। लेकिन चुपचाप, बिना किसी प्रचार के भोजन पहुंचता रहा, मानो करुणा ने खुद अपना रास्ता खोज लिया हो। इन दोनों कहानियों में बहुत सारी समानताएं हैं। शायद अच्छाई भी ऐसे ही काम करती है। हम जो भलाई करते हैं, शायद हमें कभी भी वह उसी रूप में वापस नहीं मिलती। कई बार उसका फल हमें सीधे नहीं मिलता।

लेकिन कहीं पर, किसी दिन वह किसी जरूरतमंद तक पहुंचता जरूर है- शायद खुद हमारे बच्चों तक या भावी पीढ़ी तक। फंडा यह है कि दया से भरे छोटे-से काम को भी कमतर न समझें। अच्छे कर्मों का लौटकर आने का अपना तरीका होता है। अगर वे सीधे हम तक नहीं पहुंचते तो हमारे बाद आने वाली पीढ़ी के जीवन में लौटते हैं। एन. रघुरामन

चंद महीनों के युद्ध से कई देश एक दशक पीछे चले गए हैं

ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल के बार-बार शुरू होने, रुकने वाले युद्ध के तेल बाजारों पर असर पर विचार करें। हालांकि युद्ध शुरू होने के बाद से वे अत्यधिक अस्थिर रहे हैं,

लेकिन उनके उतार-चढ़ाव ने मांग और आपूर्ति के बजाय बदलती धारणाओं और अपेक्षाओं को प्रतिबिम्बित किया है- जो अकसर ट्रम्प की सोशल मीडिया पोस्टों से आकार लेती हैं। निश्चित रूप से, ईरान द्वारा होर्मुज को बंद करने से वैश्विक तेल आपूर्ति में बाधा आई। लेकिन शिपिंग की दूरी और परिवहन में देरी का मतलब था इसका प्रभाव उपभोक्ताओं और उत्पादकों को तुरंत महसूस नहीं हुआ। फिर भी, विरोधाभासी आधिकारिक घोषणाओं के बार-बार बाजार की उम्मीदों को बदलने के कारण तेल और गैस की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव हुआ। जुलाई की शुरुआत तक, अमेरिका और ईरान के बीच प्रारंभिक युद्धविराम समझौते के बाद, क्रूड 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे कारोबार कर रहा था- जो लगभग उस स्तर पर था, जहां यह युद्ध शुरू होने से पहले फरवरी में था। लड़ाई फिर से शुरू होने पर भी अब तक कीमतों में केवल मामूली वृद्धि ही हुई है। वैश्विक ऊर्जा की कीमतों में अस्थिरता के बावजूद, अमेरिकी शेयर बाजारों ने अप्रैल और जून के बीच 2020 के बाद से अपनी सबसे अच्छी तिमाही दर्ज की और जुलाई की शुरुआत में बढ़ना जारी रखा। इस तेजी का नेतृत्व एआई शेयरों ने किया, जिसे इस विश्वास से बल मिला कि एआई उत्पादकता और आर्थिक विकास में अभूतपूर्व लाभ प्रदान करेगा। कुछ हद तक, यह समृद्ध देशों में आर्थिक गतिविधि पर युद्ध के अपेक्षाकृत सीमित प्रभाव को दर्शाता है। आईएमएफ विकसित अर्थव्यवस्थाओं की जीडीपी वृद्धि में मामूली मंदी का अनुमान लगाता है, जो 1.7फीसदी है। वहीं अमेरिका के 2.3फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। ओईसीडी अर्थव्यवस्थाओं में, बेरोजगारी दर अप्रैल में 5फीसदी थी, जो फरवरी 2022 से लगभग अपरिवर्तित है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं के इस लचीलेपन का श्रेय काफी हद तक एआई और क्रिप्टोकरेंसी निवेश में हालिया उछाल को दिया जा सकता है। कई एशियाई अर्थव्यवस्थाओं- विशेष रूप से चीन, ताइवान, दक्षिण कोरिया और मलेशिया को भी इससे लाभ हुआ है। वित्तीय बाजारों की वर्तमान आत्मसंतुष्टि इस व्यापक धारणा से और मजबूत हुई है कि दोनों पक्षों की आक्रामकता के बावजूद ईरान के साथ युद्ध प्रभावी रूप से समाप्त हो गया है, या यह केवल एक कम-तीव्रता वाले संघर्ष के रूप में जारी रहेगा, जो होर्मुज से आंशिक आवागमन की अनुमति देता है। फिर भी यह आत्मविश्वास युद्ध के दीर्घकालिक आर्थिक परिणामों को अनदेखा करता है। युद्धविराम के बावजूद, खाड़ी से तेल का निर्यात युद्ध-पूर्व स्तर से काफी नीचे रहा। और भले ही निर्यात पूरी तरह से ठीक हो जाए, निम्न-आय वाले देश आने वाले वर्षों तक आज के ऊर्जा-संकट की लागत वहन करते रहेंगे। सबसे अधिक आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पेट्रोलियम उप-उत्पादों में उर्वरक शामिल हैं, जो कृषि के लिए महत्वपूर्ण हैं। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन का अनुमान है कि 2026 की पहली छमाही में वैश्विक उर्वरक की कीमतों में 15-20% की वृद्धि होगी। परिणामस्वरूप, किसानों को- विशेषकर निम्न-आय वाले देशों में उर्वरक की बढ़ती कीमतों के साथ-साथ सिंचाई और परिवहन के लिए ईंधन की उच्च लागत से भी जूझना होगा। खाद के उपयोग में मामूली कमी भी फसल उत्पादन में भारी गिरावट ला सकती है। विश्व बैंक का अनुमान है कि चीन और भारत को छोड़कर, विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच प्रति व्यक्ति आय का अंतर महामारी से पहले के स्तर पर 2028 के बाद तक वापस नहीं आएगा। विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच प्रति व्यक्ति आय का अंतर महामारी से पहले के स्तर पर 2028 के बाद तक वापस नहीं आएगा। ग्लोबल साउथ के कई देशों ने युद्ध से एक पूरा दशक गंवा दिया है। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,जयती घोष)

पाक ने पत्रकार को आतंकी लिस्ट में डाला, पीओके प्रदर्शन कवर करने वाले दानिश इरशाद पर बिना मुकदमे कार्रवाई,सारे दस्तावेज़ सीज

इस्लामाबाद। इरशाद के खिलाफ यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब पीओके में लंबे समय से विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। इनका नेतृत्व जेएएसी कर रही है। प्रदर्शनकारी राजनीतिक प्रतिनिधित्व, सब्सिडी और शासन व्यवस्था से जुड़े कई मुद्दे उठा रहे हैं। उनकी मांगों में पीओके विधानसभा में पाकिस्तान में बसे कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 सीटों को खत्म करना भी शामिल है। पाकिस्तान सरकार ने 5 जून को जेएएसी पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच टकराव बढ़ गया। इस दौरान इंटरनेट बंद करने और मीडिया पर पाबंदियां लगाने जैसी कार्रवाई भी हुई। जेएएसी का दावा है कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 80 से ज्यादा नागरिक मारे गए हैं। इसी दौरान इरशाद ने प्रदर्शनों, सुरक्षा बलों की कार्रवाई और प्रभावित परिवारों की स्थिति को लगातार कवर किया। पाकिस्तानी पत्रकारों ने क्या कहा? दानिश इरशाद को फोर्थ शेड्यूल में डाले जाने की पाकिस्तान के कुछ पत्रकारों और कार्यकर्ताओं ने भी आलोचना की है। पाकिस्तानी पत्रकार सालेह सफीर अब्बासी ने इसे प्रेस की आजादी पर सीधा हमला बताया। उन्होंने कहा कि असहमति रखना अपराध नहीं, बल्कि एक अधिकार है। ब्रिटेन में रहने वाले पाकिस्तानी कार्यकर्ता अजहर अहमद ने भी इस कार्रवाई पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि किसी पत्रकार के खिलाफ आतंकवाद रोधी कानून का इस्तेमाल बेहद चिंताजनक है।

इससे उन पत्रकारों में डर पैदा हो सकता है, जो विरोध प्रदर्शनों, सरकारी कार्रवाई और मानवाधिकारों की स्थिति पर रिपोर्टिंग करते हैं। न्यूयॉर्क की पाकिस्तानी खोजी पत्रकार अरीबा फातिमा ने भी सवाल उठाया कि इरशाद के खिलाफ न कोई मुकदमा है और न अदालत का आदेश, फिर उन्हें आतंकवाद से जुड़ी निगरानी सूची में किस आधार पर डाला गया।

80 साल बाद पहली बार महिला बन सकती यूएन चीफ,रेस में अभी 8 दावेदार, इनमें 5 महिलाएं

कोस्टा रिका।नियुक्ति के बाद महासचिव का सामान्य कार्यकाल 5 साल का होता है। उसे दूसरी बार भी चुना जा सकता है। वोटिंग की प्रक्रिया- अनौपचारिक वोटिंग में यूएनएससी के 15 सदस्य हर उम्मीदवार के लिए अपनी राय देते हैं। इसमें तीन विकल्प होते हैं:-1. समर्थन 2. विरोध 3. कोई राय नहीं इसका मतलब यह है कि हर देश को उम्मीदवार के पक्ष या विपक्ष में ही वोट देना जरूरी नहीं है। वह 'कोई राय नहीं' भी चुन सकता है। जैसे 30 जुलाई की पहली अनौपचारिक वोटिंग में रेबेका ग्रिन्सपैन को सबसे ज्यादा समर्थन मिला था। उन्हें 10 देशों का समर्थन, 1 का विरोध और 4 देशों ने कोई राय नहीं दी थी। 21 अगस्त की अनौपचारिक वोटिंग में कैरोलिन रोड्रिग्स बिकैट सबसे आगे रहीं। उन्हें 8 देशों का समर्थन, 3 का विरोध और 4 देशों ने कोई राय नहीं दी। हालांकि इन वोटिंग के ये आंकड़े अंतिम चुनाव के नतीजे नहीं होते। इनका मकसद सिर्फ यह पता लगाना होता है कि कौन उम्मीदवार सबसे मजबूत स्थिति में है और किसके नाम पर यूएनएससी में सहमति बन सकती है। विकसित देशों से महासचिव क्यों नहीं बनता ? 1. हर इलाके को मौका देने की कोशिश-संयुक्त राष्ट्र में यह कोशिश रहती है कि महासचिव का पद दुनिया के अलग-अलग हिस्सों के देशों को मिलता रहे। यानी हर बार एक ही इलाके के व्यक्ति को यह पद न मिले। इससे बाकी देशों को भी लगता है कि संयुक्त राष्ट्र सबका है। 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी कहा था कि महासचिव चुनते समय अलग-अलग क्षेत्रों को मौका देने और महिला-पुरुष बराबरी का ध्यान रखा जाना चाहिए। हालांकि, यह कोई पक्का नियम नहीं है। 2. महासचिव किसी एक बड़े देश का आदमी न लगे-महासचिव को पूरी दुनिया का चेहरा माना जाता है। इसलिए अगर अमेरिका या चीन जैसी बड़ी ताकत के किसी बड़े नेता को यह पद मिल जाए, तो दूसरे देशों को डर हो सकता है कि संयुक्त राष्ट्र पर उस देश का असर बढ़ जाएगा। इसी वजह से ऐसे व्यक्ति को प्रायोरिटी मिलती है, जिसे किसी एक बड़ी ताकत के करीब न माना जाए। 3. एशिया-अफ्रीका के देशों की संख्या ज्यादा-संयुक्त राष्ट्र में कुल 193 देश हैं। इनमें एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के बहुत से देश हैं। इन देशों की भी इच्छा रहती है कि संयुक्त राष्ट्र का मुखिया सिर्फ यूरोप या अमेरिका की सोच वाला न हो, बल्कि दुनिया के बाकी हिस्सों की आवाज भी समझता हो। लेकिन ऐसा नहीं है कि विकसित देशों के लोगों को कभी मौका ही नहीं मिला। 1991 में कनाडा, नीदरलैंड और नॉर्वे के उम्मीदवार भी महासचिव पद की दौड़ में थे। 2016 में पुर्तगाल के एंतोनियो गुटेरेस महासचिव बने। उस समय पूर्वी यूरोप से महासचिव बनाने की मांग भी काफी जोर पकड़ रही थी।2006 में शशि थरूर भी भारत से दावेदार रहे- भारत के सांसद शशि थरूर भी संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की दौड़ में शामिल रह चुके हैं। 2006 में मनमोहन सिंह सरकार ने उन्हें भारत की ओर से उम्मीदवार बनाया था। उस समय थरूर का सबसे बड़ा मजबूत पक्ष उनका लंबा संयुक्त राष्ट्र अनुभव था। वे 1978 से संयुक्त राष्ट्र में काम कर रहे थे। भारत ने उनकी अंतरराष्ट्रीय मामलों की समझ और संयुक्त राष्ट्र में लंबे अनुभव को देखते हुए उनकी उम्मीदवारी रखी थी। भारत का यह भी तर्क था कि अब महासचिव का पद एशिया को मिलना चाहिए। थरूर के समर्थन में भारत ने कई देशों से संपर्क किया। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने दूसरे देशों के नेताओं को पत्र लिखे, जबकि थरूर ने भी अलग-अलग देशों के नेताओं से मुलाकात कर समर्थन जुटाया। अमेरिका के विरोध की वजह से हारे थरूर-2006 में हुई अनौपचारिक वोटिंग के हर दौर में थरूर दक्षिण कोरिया के बान की-मून के बाद दूसरे नंबर पर रहे। पहली वोटिंग में बान की-मून को 12 और थरूर को 10 वोट मिले थे। थरूर के मुताबिक, इन 10 वोटों में चीन का वोट भी शामिल था। बाद की वोटिंग में चीन ने उनके खिलाफ वीटो का इस्तेमाल नहीं किया। आखिरी वोटिंग में थरूर को 10 देशों का समर्थन मिला, जबकि 3 देशों ने उनके खिलाफ वोट दिया। इनमें अमेरिका भी शामिल था। अमेरिका यूएनएससी के पांच स्थायी सदस्यों में से एक है और उसके पास वीटो पावर है। आखिरकार बान की-मून महासचिव चुने गए। थरूर ने बाद में लिखा कि उनकी उम्मीदवारी को रोकने में अमेरिका की भूमिका थी। उनके मुताबिक, अमेरिका बान की-मून के समर्थन में था और उसने दूसरे सुरक्षा परिषद सदस्यों के बीच भी उनके पक्ष में समर्थन जुटाया। थरूर के अनुसार, अमेरिका के रुख के पीछे दक्षिण कोरिया के साथ उसके रिश्ते और उस समय कोफी अन्नान के साथ अमेरिकी रिश्तों में आई खटास जैसे कारण भी थे।

रक्षा-समझौते की आड़ में हथियारों का जखीरा भर रहा पाक,तुर्किये से ड्रोन की सप्लाई, 60 घंटे में दर्जनों सैन्य विमान पहुंचे

इस्लामाबाद।इसके अलावा तुर्किये ने पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने में भी मदद की है।मुनीर ने एर्दोगन को ड्रोन देने के लिए राजी किया-मक्का में हुए रक्षा समझौते के दौरान पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोगन से ड्रोन देने को कहा था। मुनीर ने बताया था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को काफी नुकसान हुआ था। चीन से पाकिस्तान को जे-सीरीज के लड़ाकू विमान पर्याप्त संख्या में मिल चुके थे, लेकिन इस दौरान उसके ड्रोन का बड़ा हिस्सा खत्म हो गया था। नाटो जैसा मक्का समझौता क्या है-पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये में हुए मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट के तहत किसी एक देश पर हमला होने पर बाकी दोनों देश उसके साथ खड़े होंगे। इसी वजह से इसे नाटो जैसे सैन्य समझौते के तौर पर देखा जा रहा है। तुर्किये के थिंक टैंक टीईपीएवी के सिक्योरिटी एनालिस्ट डॉ. निहत अली ओजकान के मुताबिक, सऊदी अरब दुनिया का प्रमुख कच्चा तेल निर्यातक और टॉप-20 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। वह साझेदारी में आर्थिक ताकत दे सकता है। पाकिस्तान इकलौता इस्लामिक देश है जिसके पास परमाणु हथियार हैं। उसके पास बैलिस्टिक मिसाइल और बड़ी सैन्य ताकत भी है। तुर्किये के पास नाटो देशों में अमेरिका के बाद दूसरी सबसे बड़ी सेना है। वह एडवांस सैन्य तकनीक और अपना अनुभव साझा कर रहा है। तुर्किये ने पाकिस्तान और सऊदी अरब के साथ ड्रोन तकनीक पर भी सहयोग किया है।बलूचिस्तान में बड़े ऑपरेशन की तैयारी में मुनीर-बलूचिस्तान में विद्रोहियों से घिरे मुनीर अब बड़ा सैन्य ऑपरेशन शुरू करने की तैयारी में हैं। इसके लिए सेना की टुकड़ियां रवाना की जा रही हैं। यह कार्रवाई अगले 48 घंटे में शुरू हो सकती है। बलूच विद्रोहियों के हमले की आशंका के चलते रावलपिंडी स्थित पाकिस्तान आर्मी के हेडक्वार्टर में 3 अतिरिक्त कंपनियां तैनात की गई हैं। शहबाज सरकार ने शनिवार को रावलपिंडी के जीएचक्यू को अगले 6 महीने के लिए संवेदनशील जोन घोषित किया है। जुलाई में 'ऑपरेशन शाबान' शुरू करने के बाद भी बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की पकड़ कमजोर हुई है। सेना की 25 से ज्यादा चेकपोस्ट खाली हो चुकी हैं और कई जगहों पर बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों का कब्जा है। ईरान सीमा से लगे बलूचिस्तान के इलाकों में भी पाकिस्तानी सेना को लगातार चुनौती मिल रही है। पाक के हाथ से बलूचिस्तान का 70फीसदी इलाका गया- बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा सूबा है और देश के करीब 45फीसदी हिस्से में फैला है। ईरान से लगी सीमा वाले इस इलाके में इन दिनों हथियारबंद विद्रोहियों की गतिविधियां बढ़ी हुई हैं। बीएलए और पश्तून विद्रोहियों का सूबे के करीब 70फीसदी हिस्से पर कब्जा है। कई इलाकों में सवाल सिर्फ सेना की कार्रवाई का नहीं, बल्कि सरकार की पकड़ का है। पुलिस थाने चलाना, हाईवे सुरक्षित रखना और लोगों का बिना डर एक शहर से दूसरे शहर जाना भी चुनौती बन गया है। कई जगह बीएलए और पश्तून गुट सड़कों पर नाके लगाते हैं। वाहनों की तलाशी लेने और वसूली करने की भी बात सामने आई है। यह पैसा बीएलए के फंड में जाने का दावा किया गया है।बलूचिस्तान के कई इलाकों में हथियारबंद लड़ाके क्वेटा, खुजदार और मस्तुंग जैसे शहरों में घुसकर पुलिस थानों और सरकारी दफ्तरों को निशाना बनाते हैं। आर्थिक संकट के बीच बढ़ता सैन्य खर्च-पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर कर्ज और महंगाई का दबाव है। आईएमएफ के मुताबिक, 2026 में महंगाई औसतन 7.2फीसदी रह सकती है और सरकारी कर्ज करीब 67.5फीसदी जीडीपी के बराबर रह सकता है। इसके बावजूद सैन्य खर्च बढ़ रहा है। एसआईपीआर के मुताबिक, 2025 में पाकिस्तान ने करीब 11.9 अरब डॉलर सैन्य खर्च किए, जो 2024 से 11फीसदी ज्यादा है। 2026-27 के बजट में रक्षा के लिए करीब 30.1 खरब पाकिस्तानी रुपए रखे गए हैं।

यूएन में चीफ गुटेरेस की जगह किसे मिलेगी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र के मौजूदा महासचिव एंतोनियो गुटेरेस का दूसरा पांच साल का कार्यकाल 31 दिसंबर 2026 को खत्म होगा। उनके बाद अगला महासचिव चुनने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस पद के लिए इस समय 8 उम्मीदवार मैदान में हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 मेंबर सीक्रेट वोटिंग के जरिए इन उम्मीदवारों के समर्थन का अंदाजा लगा रहे हैं। पिछले महीने हुए पहले अनौपचारिक मतदान में कोस्टा रिका की रेबेका ग्रिन्सपैन सबसे आगे रहीं।

ट्रम्प ने कनाडा पर 50फीसदी टैरिफ लगाया,तीन दिन की बातचीत बेनतीजा, पीएम कार्नी बोले- यूएस ने आखिरी समय शर्तें बदली

वॉशिंगटन डीसी/ ओटावा। इनमें ऑटोमोबाइल, डेयरी प्रोडक्ट्स, शराब और लकड़ी का कारोबार प्रमुख हैं। अमेरिका ने पहले नए टैरिफ 20 अगस्त से लगाने का ऐलान किया था। हालांकि, डेडलाइन से ठीक पहले दोनों देशों ने बातचीत शुरू करने का फैसला किया। इसके बाद ट्रम्प ने टैरिफ लागू करने की समयसीमा 3 दिन बढ़ा दी, ताकि समझौते की कोशिश की जा सके। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, कई मुद्दों पर सहमति बन गई थी, लेकिन कुछ अहम मामलों में दोनों देश एक-दूसरे की शर्तों पर सहमत नहीं हो सके। 1. अमेरिकी कारों के साथ भेदभाव का आरोप-अमेरिका लंबे समय से शिकायत करता रहा है कि कनाडा की ट्रेड पॉलिसी अमेरिकी कार कंपनियों को कनाडा के बाजार में बराबर मौका नहीं देती। अमेरिका चाहता है कि उसकी कारों और दूसरे सामान के लिए कनाडा का बाजार ज्यादा खुले। कनाडा ने बदले में अमेरिका से स्टील, एल्युमिनियम, कारों और लकड़ी पर लगाए गए टैरिफ में राहत मांगी थी। लेकिन अमेरिका इन टैरिफ को हटाने पर तैयार नहीं हुआ। 2. कनाडा का अपने डेयरी मार्केट को प्रोटेक्शन- कनाडा अपने डेयरी बाजार को विदेशी कंपनियों और सस्ते डेयरी प्रोडक्ट्स से बचाने के लिए लंबे समय से कई नियम लागू करता रहा है। अमेरिका चाहता है कि उसके दूध, पनीर और दूसरे डेयरी प्रोडक्ट्स को कनाडा के बाजार में ज्यादा आसानी से बेचने का मौका मिले। लेकिन कनाडा अपने डेयरी सेक्टर को लेकर ज्यादा रियायत देने के लिए तैयार नहीं हुआ। इस मुद्दे पर भी दोनों देशों के बीच मतभेद बने रहे। 3. अमेरिकी शराब की बिक्री पर प्रतिबंध- कनाडा के कुछ हिस्सों में अमेरिकी शराब की बिक्री को लेकर भी पाबंदियां लगाई गई हैं। अमेरिका इसे अपने सामान के साथ भेदभाव के तौर पर देखता है। अमेरिका चाहता है कि उसकी शराब को कनाडा के बाजार में ज्यादा आसानी से बेचने की इजाजत मिले। इसके अलावा दोनों देशों के बीच कनाडा की सॉफ्टवुड लंबर यानी लकड़ी को लेकर भी लंबे समय से विवाद है। अमेरिका कनाडा से आने वाली लकड़ी पर कई तरह के व्यापारिक प्रतिबंध और शुल्क लगाता रहा है। कनाडा के अमेरिका पर जवाबी टैरिफ- अमेरिका के नए 50फीसदी टैरिफ के बाद कनाडा ने भी जवाबी कार्रवाई का ऐलान कर दिया। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि कनाडा अमेरिका के टैरिफ का डॉलर-फॉर-डॉलर जवाब देगा। इसका सीधा मतलब है कि अमेरिका जितने मूल्य के कनाडाई सामान पर टैरिफ लगाएगा, कनाडा भी उतने ही मूल्य के अमेरिकी सामान पर टैरिफ लगाएगा। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार तनाव और बढ़ गया है। अमेरिका और कनाडा एक-दूसरे के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में शामिल हैं, इसलिए टैरिफ बढ़ने का असर दोनों देशों के कारोबार और सामान की कीमतों पर पड़ सकता है।

कनाडाई पीएम बोले- अमेरिका और हमारे बीच जंग के हालात,ट्रम्प के टैरिफ को हमला बताया, यूएस पर जवाबी टैरिफ लगाने का ऐलान किया

कनाडा। यूएसटीआर के मुताबिक, उन्होंने कनाडा को किसी भी बड़े एक्सपोर्टर के मुकाबले सबसे अच्छा ऑफर दिया था। लेकिन कनाडा की नई मांगों और पहले किए गए वादों से पीछे हटने की वजह से यह डील नहीं हो पाई। यूएसटीआर ने आगे कहा कि अगर यह डील होती तो इससे एयरोस्पेस में सप्लाई चेन कोऑर्डिनेशन, गलत ट्रेड प्रैक्टिस से निपटने के लिए जरूरी कदम, खनिजों पर सहयोग, और यूएस-मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट (यूएसएमसीए) बातचीत की घोषणा जैसे नतीजे सामने आते। अमेरिका ने कनाडा पर इतना ज्यादा टैरिफ क्यों लगाया? अमेरिका का कहना है कि कनाडा की कुछ व्यापार नीतियां अमेरिकी कंपनियों के लिए नुकसानदेह हैं। दोनों देशों के बीच कई मुद्दों पर लंबे समय से विवाद चल रहा है। इनमें ऑटोमोबाइल, डेयरी प्रोडक्ट्स, शराब और लकड़ी का कारोबार प्रमुख हैं। अमेरिका ने पहले नए टैरिफ 20 अगस्त से लगाने का ऐलान किया था। हालांकि, डेडलाइन से ठीक पहले दोनों देशों ने बातचीत शुरू करने का फैसला किया। इसके बाद ट्रम्प ने टैरिफ लागू करने की समयसीमा 3 दिन बढ़ा दी, ताकि समझौते की कोशिश की जा सके। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, कई मुद्दों पर सहमति बन गई थी, लेकिन कुछ अहम मामलों में दोनों देश एक-दूसरे की शर्तों पर सहमत नहीं हो सके। 1. अमेरिकी कारों के साथ भेदभाव का आरोप-अमेरिका लंबे समय से शिकायत करता रहा है कि कनाडा की ट्रेड पॉलिसी अमेरिकी कार कंपनियों को कनाडा के बाजार में बराबर मौका नहीं देती। अमेरिका चाहता है कि उसकी कारों और दूसरे सामान के लिए कनाडा का बाजार ज्यादा खुले। कनाडा ने बदले में अमेरिका से स्टील, एल्युमिनियम, कारों और लकड़ी पर लगाए गए टैरिफ में राहत मांगी थी। लेकिन अमेरिका इन टैरिफ को हटाने पर तैयार नहीं हुआ। 2. कनाडा का अपने डेयरी मार्केट को प्रोटेक्शन- कनाडा अपने डेयरी बाजार को विदेशी कंपनियों और सस्ते डेयरी प्रोडक्ट्स से बचाने के लिए लंबे समय से कई नियम लागू करता रहा है। अमेरिका चाहता है कि उसके दूध, पनीर और दूसरे डेयरी प्रोडक्ट्स को कनाडा के बाजार में ज्यादा आसानी से बेचने का मौका मिले। लेकिन कनाडा अपने डेयरी सेक्टर को लेकर ज्यादा रियायत देने के लिए तैयार नहीं हुआ। इस मुद्दे पर भी दोनों देशों के बीच मतभेद बने रहे। 3. अमेरिकी शराब की बिक्री पर प्रतिबंध- कनाडा के कुछ हिस्सों में अमेरिकी शराब की बिक्री को लेकर भी पाबंदियां लगाई गई हैं। अमेरिका इसे अपने सामान के साथ भेदभाव के तौर पर देखता है। अमेरिका चाहता है कि उसकी शराब को कनाडा के बाजार में ज्यादा आसानी से बेचने की इजाजत मिले। इसके अलावा दोनों देशों के बीच कनाडा की सॉफ्टवुड लंबर यानी लकड़ी को लेकर भी लंबे समय से विवाद है। अमेरिका कनाडा से आने वाली लकड़ी पर कई तरह के व्यापारिक प्रतिबंध और शुल्क लगाता रहा है।

बांग्लादेश में 2 साल में 457 फैक्ट्रियां बंद,गैस संकट से 800 और फैक्ट्रियों पर असर, इसी वर्ष 62 हजार नौकरियां गईं

ढाका। बांग्लादेश के उद्योगों पर संकट गहराता जा रहा है। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दो साल में देश के 7 प्रमुख औद्योगिक इलाकों में 457 औद्योगिक इकाइयां स्थायी रूप से बंद हो चुकी हैं। इनमें 108 गारमेंट उद्योग से जुड़ी यूनिट्स शामिल हैं। फैक्ट्रियां बंद होने का सीधा असर रोजगार पर पड़ा है। जनवरी से अगस्त 2026 के बीच 95 फैक्ट्रियां बंद हुईं और 61,881 लोगों की सीधी नौकरी चली गई। बंद फैक्ट्रियों का संकट सिर्फ कपड़ा उद्योग तक सीमित नहीं-पिछले दो साल में बंद हुई 457 फैक्ट्रियों में कपड़ा और गारमेंट से जुड़ी फैक्ट्रियों के साथ दूसरे उद्योगों की इकाइयां भी शामिल हैं। इनमें 287 इकाइयां अन्य मैन्युफैक्चरिंग कारोबार से जुड़ी थीं। यानी बांग्लादेश में उद्योगों की मुश्किल किसी एक सेक्टर तक सीमित नहीं है। बढ़ती लागत और ऊर्जा संकट का असर अलग-अलग तरह के कारखानों पर पड़ रहा है। गैस की कमी ने संकट और बढ़ाया- सबसे बड़ी परेशानी ऊर्जा की कमी को लेकर है। अगस्त की शुरुआत में गाजीपुर में गैस का दबाव इतना कम हो गया कि 700 से 800 फैक्ट्रियों में काम रोकना पड़ा या कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजना पड़ा। गैस की कमी से बॉयलर और दूसरी मशीनें पूरी क्षमता से नहीं चल पातीं। इससे उत्पादन घटता है और फैक्ट्रियों के लिए विदेशी खरीदारों के ऑर्डर समय पर पूरा करना मुश्किल हो जाता है। दूसरे देशों का रुख कर सकते हैं विदेशी खरीदार- गैस की कमी से अभी जो फैक्ट्रियां बंद हैं, उनके लिए ज्यादा दिन तक काम रोकना मुश्किल हो सकता है। फैक्ट्री बंद होने के बाद भी कर्मचारियों की तनख्वाह, बैंक का कर्ज और बाकी खर्च देने पड़ते हैं। गैस की जगह डीजल या एलपीजी से काम चलाने पर खर्च और बढ़ जाता है। ऐसे में अगर संकट लंबा चला तो कई फैक्ट्रियों के लिए दोबारा काम शुरू करना मुश्किल हो सकता है।ऊर्जा संकट का असर सिर्फ फैक्ट्रियों में कामकाज पर नहीं पड़ रहा है।

इससे बांग्लादेश के लिए विदेशी कंपनियों से कारोबार हासिल करना भी मुश्किल हो रहा है। अगर फैक्ट्रियां समय पर ऑर्डर पूरा नहीं कर पाईं तो विदेशी खरीदार दूसरे देशों का रुख कर सकते हैं।

इससे बांग्लादेश की फैक्ट्रियों की कमाई घटेगी और कर्मचारियों की तनख्वाह, कर्ज और बाकी खर्च संभालना और मुश्किल हो जाएगा।

गैस नहीं मिली तो कपड़ा उद्योग पर और संकट- बांग्लादेश के निर्यात कारोबार में कपड़ा और तैयार कपड़ों का बड़ा हिस्सा है। इनके लिए धागा बनाने, कपड़े की रंगाई और दूसरे शुरुआती काम करने वाली फैक्ट्रियां जरूरी हैं। अगर इन्हें पर्याप्त गैस नहीं मिली तो आगे तैयार कपड़े बनाने वाली फैक्ट्रियों का काम भी प्रभावित होगा। इसी वजह से उद्योग संगठनों ने इन इकाइयों को गैस सप्लाई में प्राथमिकता देने की मांग की है।

उद्योग संगठनों ने सरकार से यह भी कहा है कि फैक्ट्रियों को रोजाना गैस की उपलब्धता और दबाव की जानकारी दी जाए, ताकि वे उसी हिसाब से उत्पादन की तैयारी कर सकें।

इसके अलावा गैस संकट से परेशान छोटी और मझोली फैक्ट्रियों को बैंक कर्ज चुकाने में कुछ समय की राहत देने और मजदूरों से जुड़े विवाद जल्द सुलझाने की मांग की गई है। आने वाले दिनों में सबसे बड़ा सवाल यही है कि गैस और बिजली का संकट कब तक बना रहता है। अभी कई फैक्ट्रियां कम क्षमता पर चल रही हैं। अगर हालात जल्द नहीं सुधरे और विदेशी ऑर्डर भी कमजोर रहे, तो आर्थिक दबाव झेल रही कई और फैक्ट्रियां बंद हो सकती हैं। इसका असर सिर्फ रोजगार पर नहीं पड़ेगा। स्थानीय कारोबार और बांग्लादेश की निर्यात कमाई भी प्रभावित हो सकती है।

रिश्ते सलाह से नहीं, साथ देने से संभलते हैं,मुश्किल में फंसे व्यक्ति को तुरंत समाधान न बताएं, उसे सुनें-समझें, यही उसके लिए मदद है

वॉशिंगटन। किसी अपने को दुख, तनाव या असफलता से

जूझते देखकर हमारी पहली प्रतिक्रिया सलाह देने की होती है। लेकिन मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि यह सही नहीं है। सही मदद का मतलब समस्या का हल बताना नहीं, बल्कि उसे यह एहसास दिलाना है कि वह अकेला नहीं है। जब व्यक्ति महसूस करता है कि उसकी बात सुनी और समझी गई है, तभी वह बेहतर फैसला लेने की स्थिति में आता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, संकट के दौर से गुजर रहे व्यक्ति को सबसे पहले भावनात्मक सुरक्षा चाहिए। उसे तुरंत सलाह देने के बजाय पहले उसकी भावनाओं को स्वीकार करना और बिना निर्णय के सुनना अधिक असरदार होता है। इससे भरोसा बढ़ता है और व्यक्ति खुद समाधान तक पहुंचने में सक्षम बनता है। टेनेसी की मनोचिकित्सक एली स्पॉट्स-डी लाजर कहती हैं कि सलाह तब असर करती है, जब व्यक्ति पहले यह महसूस कर ले कि उसकी बात सचमुच सुनी गई है। इसलिए 'यह बहुत कठिन होगा' या 'मैं तुम्हारे साथ हूं' जैसी छोटी बातें ज्यादा प्रभावी साबित होते हैं। लॉस एंजेलिस की विवाह एवं परिवार विशेषज्ञ शेरिल ग्रॉसकोफ के मुताबिक, सलाह देने की जल्दबाजी कई बार सामने वाले से ज्यादा हमारी अपनी बेचैनी को शांत करने की कोशिश होती है। हर समस्या का तुरंत समाधान संभव नहीं होता। ऐसे में अनिश्चितता को स्वीकार करने में मदद करना ज्यादा उपयोगी है। सवाल पूछें, आदेश न दें-वर्जीनिया की क्लीनिकल सोशल वर्कर मैरी मैकलॉफलिन कहती हैं कि व्यक्ति अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा विशेषज्ञ खुद होता है। इसलिए 'तुम्हें ऐसा करना चाहिए', कहने के बजाय 'तुम्हें क्या सही लगता है?' या 'तुम्हें सबसे बड़ी चिंता किस बात की है?' जैसे सवाल व्यक्ति को अपने उत्तर खोजने में मदद करते हैं। इससे उसका आत्मविश्वास भी बना रहता है। न्यूयॉर्क की मनोवैज्ञानिक मेलिसा ग्लक बताती हैं कि सीधे पूछ लें- 'तुम्हें अभी मेरी किस तरह की मदद चाहिए? सिर्फ सुनूं या कोई सुझाव दूं?' इससे अनचाही सलाह देने की गलती नहीं होती।सवाल पूछें, बच्चों की देखभाल या छोटे कामों में मदद करें-विशेषज्ञों के अनुसार, बातचीत के दौरान कुछ पल का शांत विराम भी मददगार होता है।

मनोविज्ञान में इसे को-रेगुलेशन कहा जाता है, जिसमें शांत व्यवहार सामने वाले के तनाव को कम करने में मदद करता है। इसके विपरीत, जरूरत से ज्यादा घबराहट दिखाना उसकी चिंता और बढ़ा सकता है। अच्छी भावनात्मक मदद के 5 तरीके-1. पहले सुनें, बाद में सलाह दें। 2. व्यक्ति की भावनाओं को सही ठहराएं, उन्हें कमतर न आंकें। 3. 'मैं क्या करूं?' पूछकर उसकी जरूरत समझें। 4. सलाह देने के बजाय खुले सवाल पूछें। 5. जरूरत हो तो भोजन, बच्चों की देखभाल या छोटे कामों जैसी व्यावहारिक मदद भी कर सकते हैं।

सहेली के 'एक्स' से हुआ प्यार,पर प्यार के साथ गिल्ट भी है और डर भी, क्या मैं दोस्त को धोखा दे रही हूं?

नॉएडा। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- मेरी उम्र 25 साल है। मेरी एक क्लोज फ्रेंड का साल भर पहले ब्रेकअप हो गया था, लेकिन

मेरी और उसके एक्स की बातचीत होती रही। अब हम एक-दूसरे को पसंद करने लगे हैं। मुझे डर है कि उसे डेट करने से मेरी सालों पुरानी दोस्ती टूट जाएगी। क्या अपनी फ्रेंड के 'एक्स' को डेट करना गलत है? क्या मुझे दोस्ती और प्यार में से किसी एक को ही चुनना होगा? जवाब- सबसे पहले तो सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। आपने जो सिचुएशन बताई है, उसमें आपकी कोई गलती नहीं है। यह समस्या समाज की और लोगों की संकुचित सोच की है। चलिए आपकी सिचुएशन को समझते हैं और उसके सॉल्यूशन पर बात करते हैं। यह नैतिक अपराध नहीं, भावनात्मक चुनौती है-यह स्थिति पहली नजर में थोड़ी जटिल और संवेदनशील लगती है, लेकिन ऐसा नहीं है। आपके सावल से लग रहा है जैसे आप अपराधबोध में हैं। जबकि आपने जो किया है, वह नैतिक रुप से बिल्कुल भी गलत नहीं है। यह सिर्फ भावनात्मक चुनौती है। यह रिश्ता आपको और आपकी सहेली को कितना प्रभावित करेगा, यह तीन बातों पर निर्भर करेगा-दोनों पक्ष इस बात को कितनी मैच्योरिटी के साथ हैंडल करते हैं। वो कितनी गहराई और उदारता दिखाते हैं। वे अपने निजी जीवन में भावनात्मक रूप से कहां खड़े हैं और कितने खुश व संतुष्ट हैं। आपको कौन से सवाल परेशान कर रहे हैं? अपने दोस्त के एक्स के साथ रिश्ते में आने पर जो सिचुएशन बनती है, उसमें हमारा दिमाग 'लॉजिक' से ज्यादा 'गिल्ट' (अपराधबोध) से घिर जाता है। आप भी इसी के चलते खुद को कटघरे में महसूस कर रही हैं। आपको कौन से सवाल परेशान कर रहे हैं- मन में बुरे ख्याल क्यों उठ रहे हैं? आपके मन में जो सवाल उठ रहे हैं, उनके पीछे आपका अपना ही बनाया डर है। यह डर सामाजिक छवि और दोस्ती टूटने की आशंका से उपजा है। इस समाज में 'सहेली के एक्स' को डेट करना थोड़ा अजीब नजर से देखा जाता है। जब आप ऐसी सीमाओं को लांघते हैं, तो डर सताने लगता है कि लोग मुझे 'विलेन' समझेंगे। इन सवालों का तार्किक जवाब क्या है? भावनाओं के भंवर में लोग अक्सर लॉजिक भूल जाते हैं। अगर ठंडे दिमाग से सोचें, तो समझ आएगा कि आपके डर के पीछे की वजहें उतनी मजबूत नहीं हैं, जितनी आपकी खुशी की संभावनाएं हैं। आप कैसा महसूस कर रहे हैं? किसी भी

रिश्ते में दर्द या खुशी इस बात से तय नहीं होती कि सिचुएशन बाहर से कितनी जटिल है। अगर आपकी दोस्त अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुकी है और खुश है, तो संभव है कि उसे ज्यादा तकलीफ न हो। अगर वह अभी भी ब्रेकअप के दर्द से गुजर रही है, तो यह खबर उसे थोड़ा झटका दे सकती है। यह निश्चित है कि अगर आप दोनों इस रिश्ते में खुश हैं तो इस सिचुएशन को संभालना बिल्कुल भी मुश्किल नहीं है।रिलेशनशिप में हमारी इनसिक्योरिटी की सबसे कॉमन वजह ये है कि लोग क्या कहेंगे? ज्यादातर लोग इसी डर से अपनी खुशी की बलि दे देते हैं। याद रखिए आपकी सहेली और उस लड़के का ब्रेकअप इसलिए हुआ, क्योंकि उनके बीच कुछ सही नहीं था।अगर आप दोनों साथ में बेहतर महसूस कर रहे हैं, तो मुमकिन है कि आप एक-दूसरे के लिए बेटर मैच' हों। प्यार की इस भावना को स्वीकार करना गलत नहीं है। आप इस रिश्ते में कैसा महसूस कर रही हैं, यह समझने के लिए खुद से कुछ सवाल पूछें- समय पर छोड़ दें कुछ फैसले ये भी हो सकता है कि जब आप अपनी दोस्त को यह बात बताएं, तो उसे एक पल को झटका लगे या बुरा महसूस हो। लेकिन कुछ चीजें समय और मैच्योरिटी के साथ समझ आती हैं। भविष्य में जब वह देखेगी कि आप दोनों साथ में खुश और स्टेबल हैं, तो शायद उसका नजरिया बदल जाए। कई बार रास्ते हमें खुद ही सही मंजिल तक पहुंचा देते हैं, हमें सिर्फ रास्ता तय करना है। आपको क्या करना चाहिए? अगर आप इस रिश्ते को आगे बढ़ाना चाहती हैं, तो इन 4 बातों का ध्यान रखें- ईमानदार रहें- आपकी दोस्त को यह बात किसी और से पता चले, उससे पहले खुद ही पूरी बात बता दें। उससे यह रिश्ता छिपाना ही सबसे बड़ा धोखा है। सफाई न दें- आपकी सहेली का रिलेशनशिप भले ही कैसा रहा हो, उससे कभी ये न कहें कि 'तुम दोनों का रिश्ता खराब था।' स्पेस दें- खबर सुनने के बाद उसे गुस्सा करने का, नाराज होने का स्पेस दें।

उसे मजबूर न करें कि वह तुरंत आपके रिश्ते को एक्सेप्ट ही करे। डेडलाइन तय न करें- दोस्ती को फिर से सामान्य होने में समय लग सकता है तो उसे पूरा वक्त दें।

अंतिम सलाह-प्यार कभी अपराध नहीं हो सकता है। अगर आपकी नीयत साफ है और आप सहेली का सम्मान करती हैं, तो डरने की जरूरत नहीं है। अपनी खुशी को स्वीकार करें, सहेली के प्रति सहानुभूति रखें और समय को अपना काम करने दें। कई बार अच्छे रिश्ते कठिन परिस्थितियों से ही निकलकर आते हैं।

53 की उम्र में अर्जुन रामपाल ने दूसरी शादी की,14 साल छोटी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला से शादी रजिस्टर कराई, रिलेशनशिप से दो बेटे हैं

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल ने अपनी लंबे समय से गर्लफ्रेंड गैब्रिएला

डेमेट्रियड्स से शादी कर ली है। गोवा में शुक्रवार को यह शादी रजिस्टर्ड कराई गई। दोनों ने उत्तरी गोवा के मापुसा स्थित सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में शादी की कानूनी प्रक्रिया पूरी की। पीटीआई के मुताबिक, इस दौरान उनके करीबी दोस्त मौजूद थे। स्थानीय कानून के तहत पहले और दूसरे हस्ताक्षर के बीच 15 दिन का इंतजार जरूरी होता है। इस अवधि को माफ कराने के लिए कपल ने स्थानीय कोर्ट के असिस्टेंट पब्लिक प्रॉसिक्यूटर से विशेष अनुमति ली थी। सब-रजिस्ट्रार सूरज वर्नेकर ने बताया कि शादी गोवा के यूनिफॉर्म सिविल कोड के तहत रजिस्टर्ड हुई। अर्जुन और गैब्रिएला शाम करीब 4 बजे ऑफिस पहुंचे थे। दोनों इस मौके पर कैजुअल कपड़ों में थे। 2018 से रिश्ते में हैं अर्जुन और गैब्रिएला-अर्जुन और गैब्रिएला 2018 से रिश्ते में हैं। यह रिश्ता एक्टर की पूर्व पत्नी मेहर जेसिया से अलग होने के बाद शुरू हुआ था। शादी से 7 साल पहले यानी 2019 में अर्जुन और गैब्रिएला के पहले बेटे एरिक का जन्म हुआ था। इसके चार साल बाद उनके दूसरे बेटे एरिव का जन्म हुआ। 2025 में अर्जुन ने गैब्रिएला से अपनी सगाई की जानकारी दी थी। दो बच्चों के बाद शादी नहीं करने पर यह कहा था-अर्जुन ने इससे पहले रणवीर अलाहबादिया के यूट्यूब चैनल पर बताया था कि दो बच्चों के माता-पिता होने के बावजूद उन्होंने गैब्रिएला से शादी क्यों नहीं की थी? एक्टर ने कहा था कि यह न मेरी वजह से है और न उसकी वजह से। शादी आखिर है क्या? एक कागज ही तो है। मुझे लगता है कि हम पहले से शादीशुदा हैं और मेरे मन में इसे लेकर कोई शक नहीं है, लेकिन कभी-कभी वह कागज आपको बदल भी सकता है क्योंकि आपको लगता है कि अब सब स्थायी है, जबकि असल में यह एक गलत धारणा है और आप कानूनी तौर पर बंध जाते हैं। उन्होंने आगे कहा था-'इससे एक-दूसरे के प्रति आपका रवैया बदल सकता है। मुझे लगता है कि हम दोनों ऐसा ही महसूस करते हैं। हमारे बीच जो कुछ हुआ, वह बहुत स्वाभाविक था। मैं इसके बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहता, क्योंकि मैं इसे नजर न लगने देना चाहता हूं। मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी को इस बात का जवाब देना जरूरी है। हमारे लिए यह बहुत खूबसूरत है। आपको जब तक संभव हो, इसे महसूस करते रहना चाहिए। हम दोनों के मन में एक-दूसरे से शादी हो चुकी है। हम एक-दूसरे को सही दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं और साथ ही बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड भी हैं।' हालांकि, अर्जुन रामपाल ने यह भी साफ किया था कि वह शादी के खिलाफ नहीं हैं। अर्जुन की पहली शादी मेहर जेसिया से हुई थी-अर्जुन रामपाल की पहली शादी पूर्व सुपरमॉडल मेहर जेसिया से 1998 में हुई थी।इस शादी से उनकी दो बेटियां माहिका और मायरा हुईं। 20 साल साथ रहने के बाद, मई 2018 में उन्होंने अलग होने की घोषणा की और नवंबर 2019 में दोनों का तलाक हो गया।

फिल्म 'टॉक्सिक' के इवेंट में बड़ा हादसा,भारी साउंड-बॉक्स सेटअप गिरने से दो छात्र घायल, एक लड़की बेहोश

हैदराबाद। यश की फिल्म 'टॉक्सिक' के प्री-रिलीज इवेंट में शनिवार को हैदराबाद की मल्ला रेड्डी यूनिवर्सिटी में हादसा हो गया।

भारी साउंड-बॉक्स सेटअप गिरने से दो छात्र घायल हो गए, जबकि एक लड़की बेहोश हो गई। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। हादसे के समय यश मंच पर मौजूद थे।आज तक की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ लोग साउंड बॉक्स को सहारा देने वाले पोल पर चढ़ गए थे। इसी दौरान भारी सेटअप अचानक नीचे गिर गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में घायल छात्रों को तुरंत एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। इवेंट के वीडियो भी सामने आए हैं, जिसमें बड़ी संख्या में लोग नजर आ रहे हैं और कुछ लोग घायल छात्रों को एम्बुलेंस की ओर ले जाते दिख रहे हैं। हादसे के समय यश मंच पर मौजूद थे और फिल्म टॉक्सिक के जश्न में शामिल लोगों को संबोधित कर रहे थे। हादसे का पता चलते ही उन्होंने अपनी स्पीच बीच में रोक दी और आयोजकों से छात्रों की स्थिति के बारे में पूछा। मंच से यश ने कहा, 'अरे, संभलकर। क्या वहां सब ठीक हैं? सर, कृपया जांच कीजिए। कृपया छात्रों, आप लोग ध्यान रखें।' स्टेज के पास पहुंचे थे कई छात्र-बताया जा रहा है कि कई छात्र स्टेज के पास पहुंच गए थे और स्पीकर व अन्य सामान को सहारा देने वाले ढांचों पर चढ़ गए थे। घटना के बाद बड़े फिल्मी कार्यक्रमों में भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठे हैं। गौरतलब है कि हैदराबाद में पहले भी फिल्मी इवेंट में सुरक्षा को लेकर गंभीर हादसा हो चुका है। दिसंबर 2024 में 'पुष्पा 2' के प्रीमियर के दौरान भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई थी। उनके बेटे की हालत भी गंभीर हुई थी। पुलिस ने थिएटर मैनेजमेंट पर सुरक्षा में लापरवाही के आरोप लगाए थे। ऐसे में सवाल है कि बड़े स्टार्स के कार्यक्रमों में भीड़ को संभालने और खतरनाक जगहों पर लोगों को जाने से रोकने के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं होते? क्या मेकर्स और आयोजकों को पुराने हादसों से सबक नहीं लेना चाहिए?

करीना कपूर खान प्रेग्नेंट नहीं हैं:45 की उम्र में एक्ट्रेस के तीसरी बार मां बनने की अफवाहों को टीम ने बताया गलत

मुंबई। एक्ट्रेस करीना कपूर खान के तीसरी बार प्रेग्नेंट होने की खबरों

को उनकी टीम ने गलत बताया है। सोशल मीडिया पर प्रेग्नेंसी की अफवाहें फैलने के बाद टीम ने इंडियन एक्सप्रेस के साथ बातचीत में इसकी पुष्टि की कि करीना प्रेग्नेंट नहीं हैं। शुक्रवार को मुंबई से करीना का एक वीडियो सामने आया था। इसके बाद लोगों ने कयास लगाए कि वह तीसरी बार मां बनने वाली हैं। वायरल क्लिप में करीना कपूर अपनी कार की ओर जाती दिखीं। उनके साथ उनकी टीम के कुछ सदस्य भी चल रहे थे। एक जगह टीम का एक सदस्य करीना के सामने छाता कर देता है, जिससे पैपराजी उन्हें ठीक से नहीं देख पाते। वीडियो में उनका लुक और कैमरों से बचाने की कोशिश देखकर सोशल मीडिया पर उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा शुरू हुई। करीना का वीडियो सामने आने के बाद कई फैंस ने कमेंट सेक्शन में सवाल किए। एक व्यक्ति ने लिखा, 'एक पल के लिए मुझे लगा कि यह उनका तीसरा बच्चा है।' दूसरे ने पूछा, 'क्या वह प्रेग्नेंट हैं?' एक और कमेंट में लिखा गया, 'लगता है बेबी बंप है यार।' करीना कपूर खान और सैफ अली खान पहले से दो बेटों के माता-पिता हैं। उनके बेटे तैमूर 9 साल के और जेह अली खान 5 साल के हैं। परिवार बढ़ाने पर करीना ने पहले क्या कहा था- करीना ने इससे पहले वोग को दिए एक इंटरव्यू में फैमिली प्लानिंग पर बात की थी। उन्होंने कहा था, 'सैफ ने हर दशक में एक बच्चा किया है- बीस की उम्र में, तीस की उम्र में, चालीस की उम्र में और अब पचास की उम्र में। मैंने उनसे कहा है कि साठ की उम्र में ऐसा नहीं होने वाला।' करीना ने आगे कहा था, 'मुझे लगता है कि सैफ जैसा खुले विचारों वाला आदमी ही अलग-अलग उम्र के चार बच्चों का पिता हो सकता है। वह सभी को अपना समय देते हैं।' उन्होंने कहा था, 'अब जेह के साथ हम इसे बैलेंस करने की कोशिश कर रहे हैं।

हमने तय किया है कि जब वह किसी फिल्म की शूटिंग कर रहे होंगे, तब मैं उसी समय फिल्म में काम नहीं करने की कोशिश करूंगी और इसके उलट भी ऐसा ही होगा।' सैफ अली खान, अमृता सिंह के साथ अपनी पिछली शादी से सारा अली खान और इब्राहिम अली खान के भी पिता हैं। करीना के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार फिल्म सिंघम अगेन (2024) में नजर आई थीं। वहीं वो जल्द मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित फिल्म दायरा में दिखाई देंगी। दायरा में करीना एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी।

सारा अली खान की फोटो के लिए लड़ने लगे पैपराजी,अपशब्द कहे, धक्का-मुक्की की

मुंबई। सारा अली खान शुक्रवार को स्पॉट हुईं। इसी दौरान वो पोज दे रही थीं, तभी उनके सामने दो पैपराजी फोटोग्राफर्स के बीच कैमरा स्पेस को लेकर बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते दोनों एक-दूसरे को धक्का देने लगे और मामला अपशब्दों तक पहुंच गया। अचानक हुए इस विवाद से सारा

अली खान कुछ देर के लिए हैरान नजर आईं। वह स्थिति को देखकर नर्वस होकर मुस्कुराती भी दिखीं और इसके बाद वहां से आगे बढ़ गईं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। तस्वीरें लेने पर कैमरे बंद करने को कहा था-सारा अली खान का पैपराजी के साथ तनावपूर्ण स्थिति का यह पहला मामला नहीं है। हाल ही में वह मंदिर के बाहर जरूरतमंदों को खाना बांटते समय तस्वीरें लेने पर पैपराजी से कैमरे बंद करने की अपील करती नजर आई थीं। वहीं, इससे पहले नवंबर 2021 में सारा जब अपनी फिल्म 'अतरंगी रे' के गाने 'चका चक' के प्रमोशन के लिए एक कॉलेज पहुंची थीं। तब इवेंट के दौरान भारी भीड़ और पैपराजी की मौजूदगी के चलते धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। इसी दौरान एक सुरक्षाकर्मी ने एक फोटोग्राफर को धक्का दे दिया, जिससे वह गिर पड़ा। घटना की जानकारी मिलते ही सारा ने सुरक्षा गार्ड को सबके सामने फटकार लगाई और पैपराजी से माफी भी मांगी थी। हालांकि, अगले दिन जब सारा दोबारा मीडिया के सामने आईं, तो पैपराजी ने उन्हें बताया कि धक्का देने वाला शख्स उनका निजी बॉडीगार्ड नहीं था। इसके बाद सारा ने अपने बॉडीगार्ड का बचाव करते हुए कहा था कि उन्हें पहले से पता था कि उनकी गलती नहीं हो सकती। सारा ने कहा था कि इवेंट आयोजकों की सिक्योरिटी टीम के एक सदस्य ने फोटोग्राफर्स को धक्का दिया था। उन्होंने यह भी कहा कि उनका बॉडीगार्ड कभी ऐसा व्यवहार नहीं कर सकता। सारा अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' में नजर आई थीं। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब सारा जल्द ही फिल्म 'उड़ता तीर' में नजर आएंगी।इस फिल्म में वह एक बार फिर आयुष्मान खुराना के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। फिल्म का निर्देशन आकाश ए. कौशिक कर रहे हैं।फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस और सिख्या एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। 'उड़ता तीर' अब 9 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सायरा बानो हुई 82 की, दिलीप कुमार से शादी की भविष्यवाणी हुई सच,मेहमानों ने शादी से चुराए कांटे-छुरी, खाना कम पड़ा, शाहरुख को बेटा माना

मुंबई। साल 1955 तमिलनाडु के कोयंबटूर में फिल्म 'आजाद' की शूटिंग चल रही थी। इसी दौरान फिल्म प्रोड्यूसर एस.एस. वासन ने दिलीप कुमार की मुलाकात एक मशहूर ज्योतिषी से कराई। ज्योतिषी ने दिलीप कुमार का चेहरा देखा, हाथ की रेखाएं पढ़ीं और फिर उनकी कुंडली बनाई। इसके बाद उन्होंने ऐसी भविष्यवाणी की, जिसे सुनकर खुद दिलीप कुमार भी हैरान रह गए। ज्योतिषी ने कहा कि दिलीप कुमार की शादी 40 साल की उम्र के बाद होगी। उनकी दुल्हन उनसे करीब आधी उम्र की होगी। इतना ही नहीं, वह भी फिल्मों से जुड़ी होगी। भविष्यवाणी यहीं खत्म नहीं हुई। ज्योतिषी ने यह भी कहा कि उस महिला को एक गंभीर बीमारी भी होगी। यह सुनकर दिलीप कुमार ने कहा था, 'मैं तो कभी फिल्म वाली लड़की से शादी ही नहीं करूंगा।' उस वक्त दिलीप कुमार ने इस भविष्यवाणी को गंभीरता से नहीं लिया था, लेकिन करीब 11 साल बाद ज्योतिषी की कही लगभग हर बात सच हो गई। 1966 में 44 साल के दिलीप कुमार ने 22 साल की एक्ट्रेस सायरा बानो से निकाह किया। आज सायरा बानो के 82वें जन्मदिन पर जानते हैं उनकी जिंदगी और दिलीप कुमार के साथ उनकी प्रेम कहानी के कुछ अनसुने किस्से। दिलीप कुमार के चलते उर्दू सीखनी शुरू की- सायरा बानो का जन्म 1944 में मशहूर अदाकारा नसीम बानो और प्रोड्यूसर मियां एहसान-उल-हक के घर हुआ था। दिलचस्प बात ये है कि जिस साल सायरा दुनिया में आईं, उसी साल दिलीप कुमार की पहली फिल्म ज्वार भाटा (1944) रिलीज हुई थी। सायरा करीब 6 साल की थीं, जब उनको पढ़ाई के लिए यूनाइटेड किंगडम भेज दिया गया। लंदन के मशहूर एलीट स्कूल क्वीन्स हाउस में उनकी पढ़ाई हुई। छुट्टियां होतीं, तो सायरा हिंदुस्तान आती थीं। ऐसी ही एक छुट्टी में 12 साल की सायरा अपनी मां के साथ घर पर फिल्म आन देख रही थीं। फिल्म महबूब खान ने बनाई थी और हीरो थे दिलीप कुमार। दिलीप साहब की अदाकारी ने सायरा के दिल पर ऐसा असर किया कि फिल्म खत्म होते ही उन्होंने मां के सामने अपनी ख्वाहिश जाहिर कर दी। सायरा ने साफ कह दिया- अगर शादी करेंगी, तो सिर्फ दिलीप कुमार से। लंदन में पढ़ाई के दौरान भी सायरा बानो के दिल में एक ही ख्वाब था- एक दिन वह मिसेज दिलीप कुमार बनेंगी। सायरा ने दैनिक भास्कर को दिए एक पुराने इंटरव्यू में यह बात बताई थी। सायरा की मां नसीम बानो उनसे कहती थीं कि अगर उन्हें दिलीप कुमार की पत्नी बनना है, तो पहले उनकी पसंद-नापसंद और शौक को समझना होगा। बस फिर क्या था, सायरा ने भी दिलीप साहब की पसंद की चीजें सीखना शुरू कर दिया। जब उन्हें मालूम हुआ कि दिलीप कुमार को उर्दू और शायरी बेहद पसंद है, तो सायरा ने बाकायदा मौलवी साहब से उर्दू पढ़ना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, दिलीप साहब को सितार पसंद था, तो सायरा ने सितार सीखने की कोशिश भी की। काम करने को लेकर दिलीप कुमार ने सफेद बाल

दिखा दिए-सायरा की मां नसीम एक एक्ट्रेस थीं, इसलिए दिलीप कुमार की नसीम बानो से मुलाकात होती रहती थी। वो सायरा के बारे में भी जानते थे। जब सायरा ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने का फैसला किया और निर्माता एस. मुखर्जी ने यह बात दिलीप कुमार से कही तो उन्होंने कहा था कि सायरा को फिल्मों में करियर बनाने से रोका जाना चाहिए। 1960 के दशक की शुरुआत में फिल्म 'दिल दिया दर्द लिया' की कास्टिंग शुरू होने वाली थी। इसी दौरान निर्माता एस. मुखर्जी ने दिलीप कुमार से कहा था, 'यूसुफ, यह लड़की आपके साथ काम करने के लिए पागल है।' जिस पर दिलीप कुमार ने अपने सफेद-काले बालों में हाथ फेरकर सायरा से कहा था, 'क्या तुमने मेरे ये सफेद बाल देखे हैं? मैं तुमसे बहुत ज्यादा उम्र का हूं और मैं सुअर की तरह खाता हूं!' शम्मी कपूर की डांट सुनकर सायरा रोने लगी थीं- सायरा बानो की पहली फिल्म 1961 में रिलीज हुई 'जंगली' थी। हालांकि फिल्मों में कदम रखने का फैसला उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। परिवार, खासकर उनकी मां नसीम बानो, इसके खिलाफ थीं, लेकिन सायरा ने अपने इस ख्वाब को छोड़ना मंजूर नहीं किया। उन्होंने स्कूल की छुट्टियों के दौरान 'जंगली' की शूटिंग शुरू की। कुछ महीने शूटिंग करने के बाद वह वापस लंदन चली गईं और अपनी पढ़ाई पूरी करने लगीं। लेकिन फिल्म की शूटिंग से लेकर रिलीज तक, कुछ ऐसे वाकये हुए, जिन्होंने सायरा को रुला दिया। दरअसल, सायरा बानो ने फिल्म 'जंगली' साइन तो कर ली थी, लेकिन उन्हें एक्टिंग का कोई तजुर्बा नहीं था। शूटिंग के पहले दिन वह कश्मीर के शालीमार बाग पहुंचीं। वहां हजारों लोग शूटिंग देखने के लिए जमा थे। सायरा वैसे भी काफी शर्मीली थीं। उन्हें 'कश्मीर की कली' गाने की एक लाइन पर घूमकर लिप-सिंक करना था, लेकिन वह बार-बार गलती कर रही थीं। लिप-सिंक पर ध्यान देतीं, तो गलत दिशा में घूम जातीं। घूमने पर ध्यान देतीं, तो गाने की लाइन छूट जाती। कई रीटेक के बाद शम्मी कपूर ने उन्हें डांटते हुए कहा कि अगर काम करना है, तो ठीक से करो। यह सुनकर सायरा बहुत शर्मिंदा हुईं और रोने लगीं। उनकी बहन ने भी कहा कि अभी वक्त है, चाहो तो एक्टिंग छोड़कर वापस चल सकते हैं, लेकिन सायरा ने हार नहीं मानी। उन्होंने दोबारा वही सीन किया और इस बार बिल्कुल सही कर दिया।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।